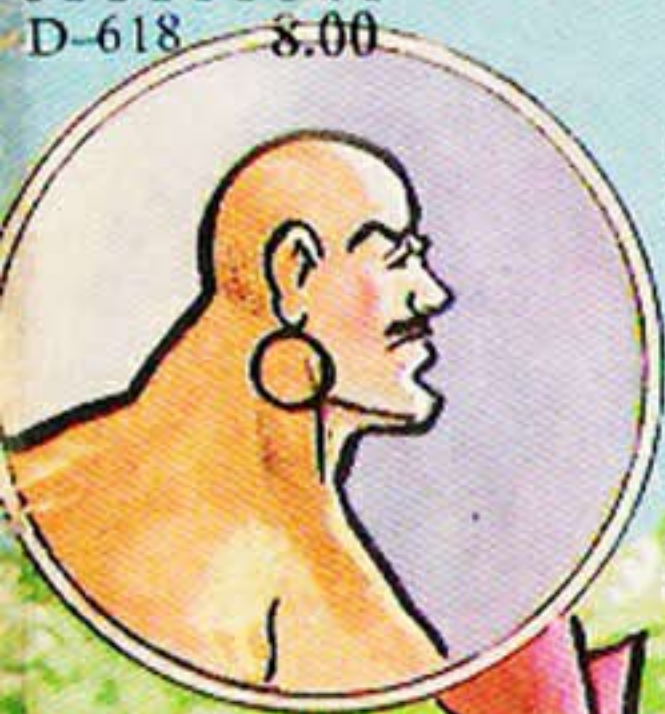




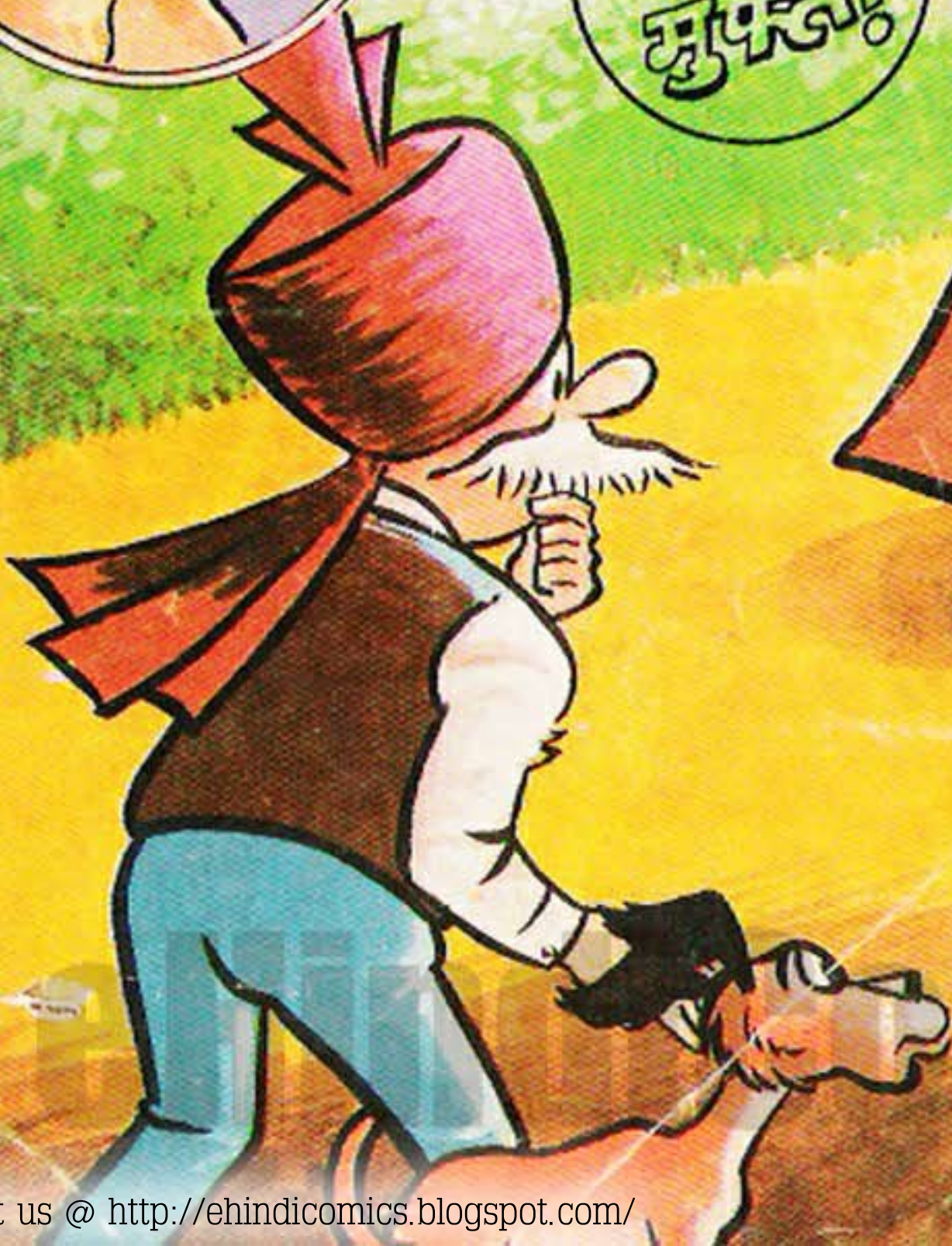
डायमण्ड
कॉमिक्स

D-618 8.00

पा०। चाचा चौधरी और सड़क का भूत



इस कॉमिक
के साथ
ट्रिपल स्टिकर
मुफ्त!





सड़क का भूत

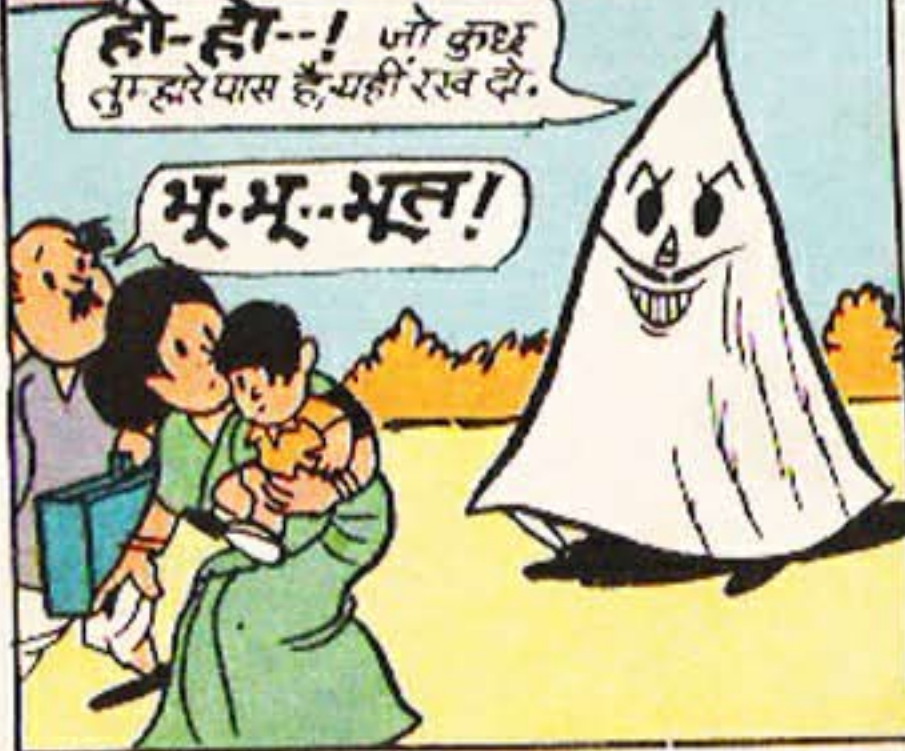
अरी भाइयान, जल्दी चल! यह सुन-सान रास्ता और फिर ऊपर से रात होने वाली है. हमें कहीं रुकना है.



तभी

हो-हो--! जो कुछ तुम्हारे पास है, यही रख दो.

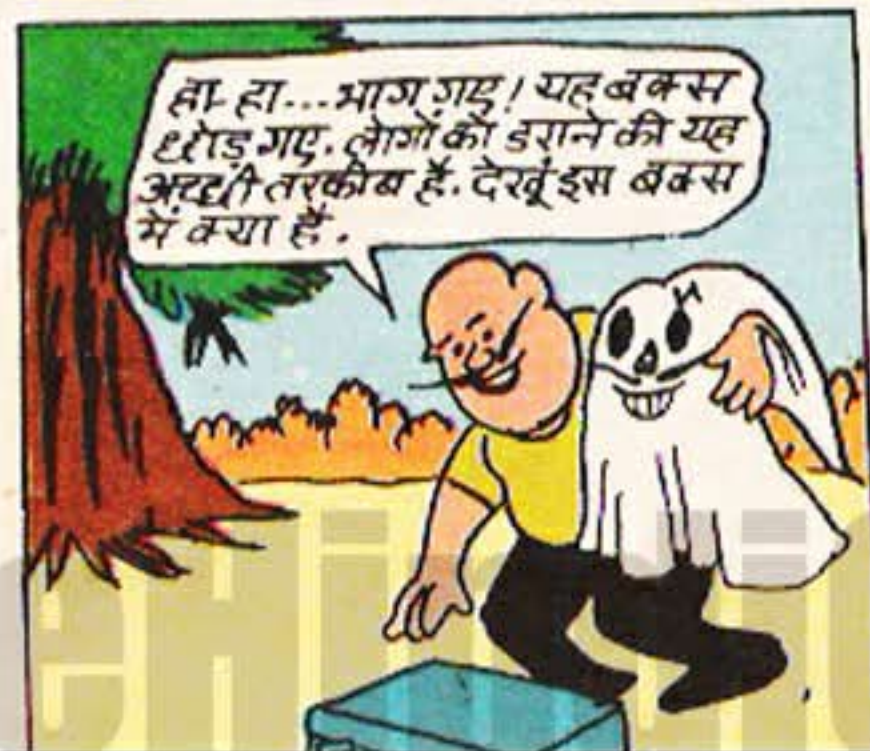
भू-भू-भूत!



भूत-भूत! भागो!



हो-हा... भाग गए! यह बक्स छोड़ गए. लोगों को डराने की यह अच्छी तरकीब है. देखू इस बक्स में क्या है.



वाह! यह तो नोटों से भरा है. अगर भूत बनने से इतना पैसा आ जाए, तो मैं कुछ ही दिनों में मालामाल हो जाऊंगा.



मुट्ठा भण्ड दूसर हस्ते को चल देता है।

इधर से तो खूब माल लूट लाया है:
देख, उधर मेरी किस्मत में क्या है?



अर सठ जमनादास! म तो अपना
पत्नी के लिए शहर से सन्दूक भरकर
जेवर लाया हूँ. तुम क्या लाए हो?

म सठ हूँ, सठ।
मैं अपनी पत्नी के
लिए कोई मामूली
चीज नहीं लाऊँगा.
मेरा सन्दूक हीरो से
भरा है.

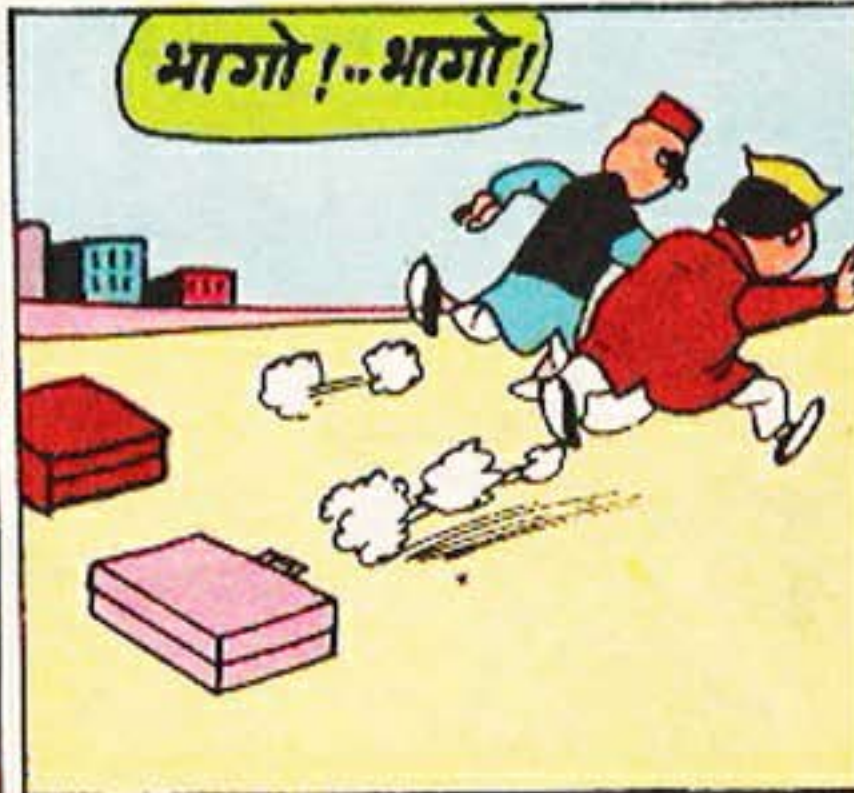


हो..हो..! दोनों सन्दूक
यहीं रख दो!



भू...भू...भूत!

भागो!..भागो!



सब चाचा चौधरी के पास पहुँचते हैं.

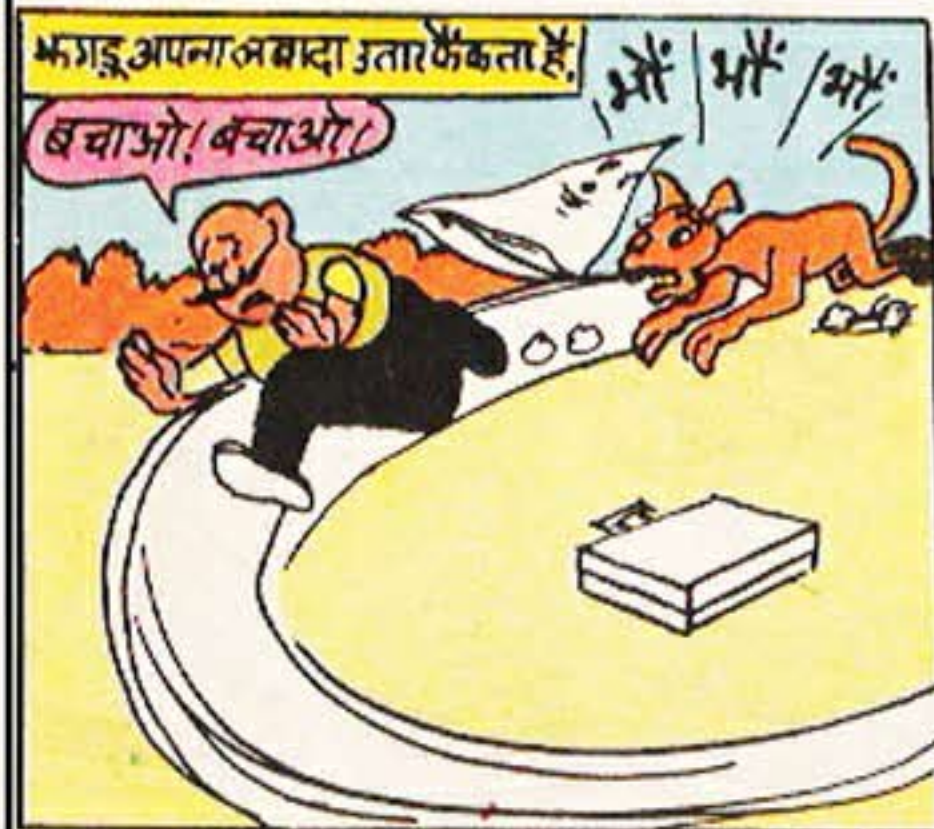
चाचाजी, हमारे इलाके
में भूत घुस आया है, जो
सबका सामान लूट लेता है.



भूत बल कोई चीज
नहीं होती. मरुत
दान में कुछ काला है.

चल भाई चंपू!
देखें यह कैसा
भूत है?







फैगन का स्टीमर

फैगन! दूरबीन से क्या
खोज रहे हो? यहां बीच
समुद्र में तुम्हें पानी के सिवा
और क्या नजर आएगा?



गोचा! मुझे समुद्र में पानी के
अलावा कुछ और भी नजर आ
रहा है. पैसा मिलने की आशा.



मैं समुद्र में रास्ता
भटक गई हूं.



नहीं, तुम ठीक
जगह आई हो.
नाव को करीब
लाओ.

गोचा! लड़की
को पकड़ कर
स्टीमर पर
लाओ.



बॉस! मैंने
इसके हाथ
बांध दिए हैं.

ठीक. अब तट पर जाकर
इसके बाप को फोन कर दे
कि पचास हजार रुपया
देकर इसे धुड़ा ले
जाए.



कमाई का इससे आसान
रास्ता और क्या होगा?



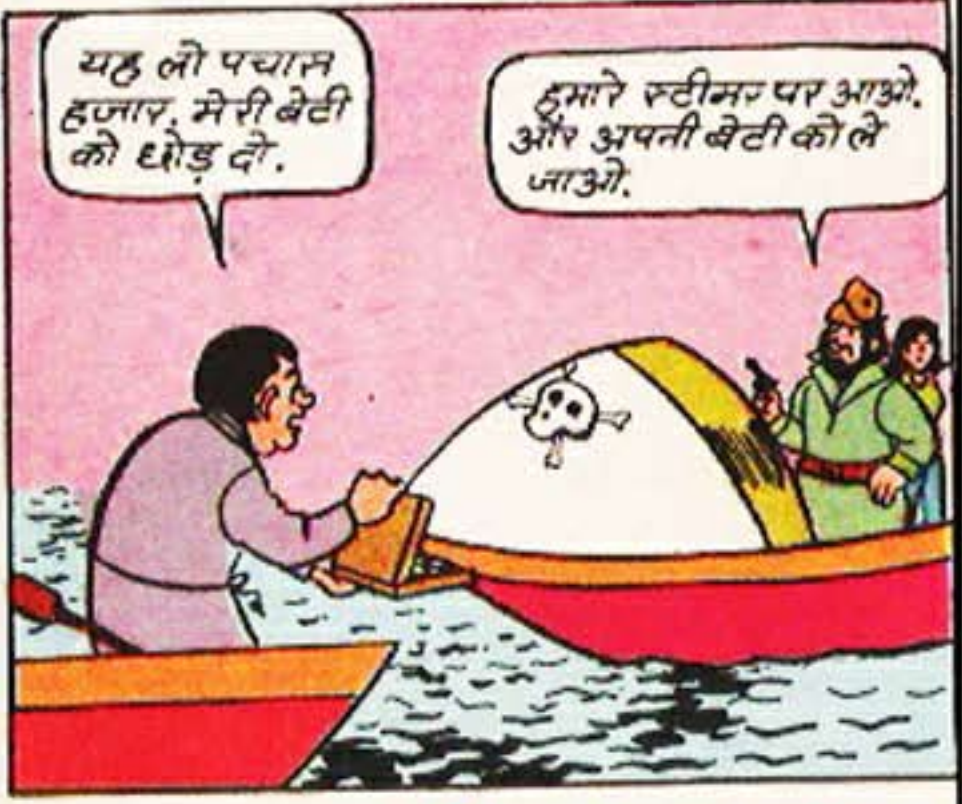


हमारे कब्जे में हैं. फैंगन के स्टीमर पर पचास हजार रुपये पहुंचा दो और अपनी बेटी को ले जाओ. नहीं तो तुम्हारी बेटी की लाश को जीव जंतु खा जाएंगे.

नहीं ऐसा मत करना.



उसने अपने स्टीमर पर आदमी की खोपड़ी बने होने का निशान बताया था.



यह लो पचास हजार. मेरी बेटी को छोड़ दो.

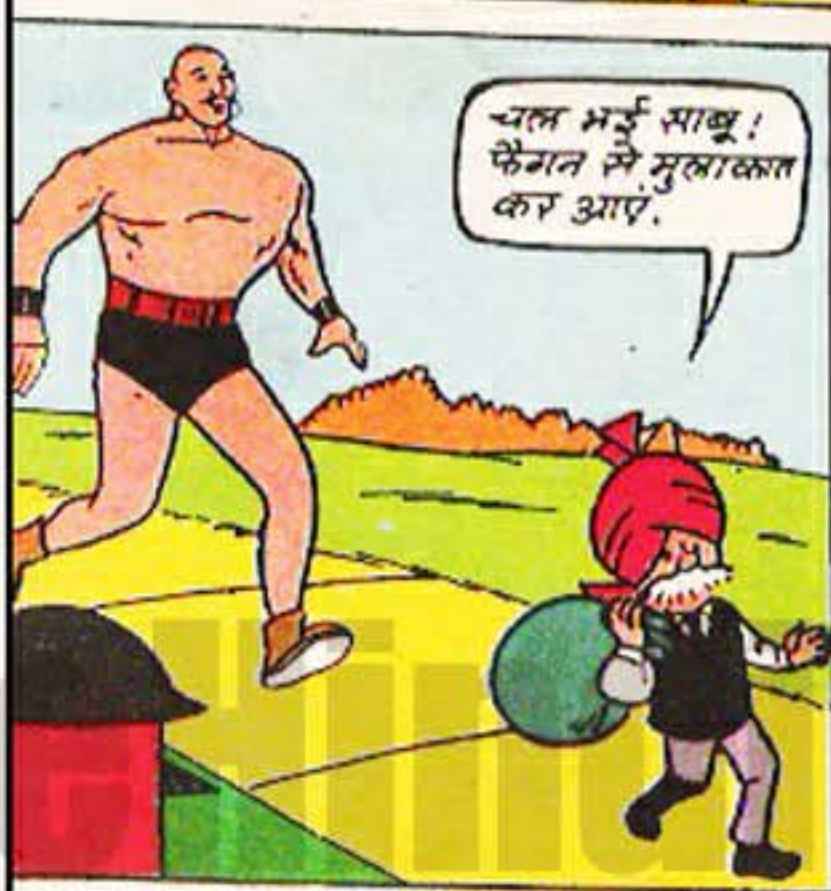
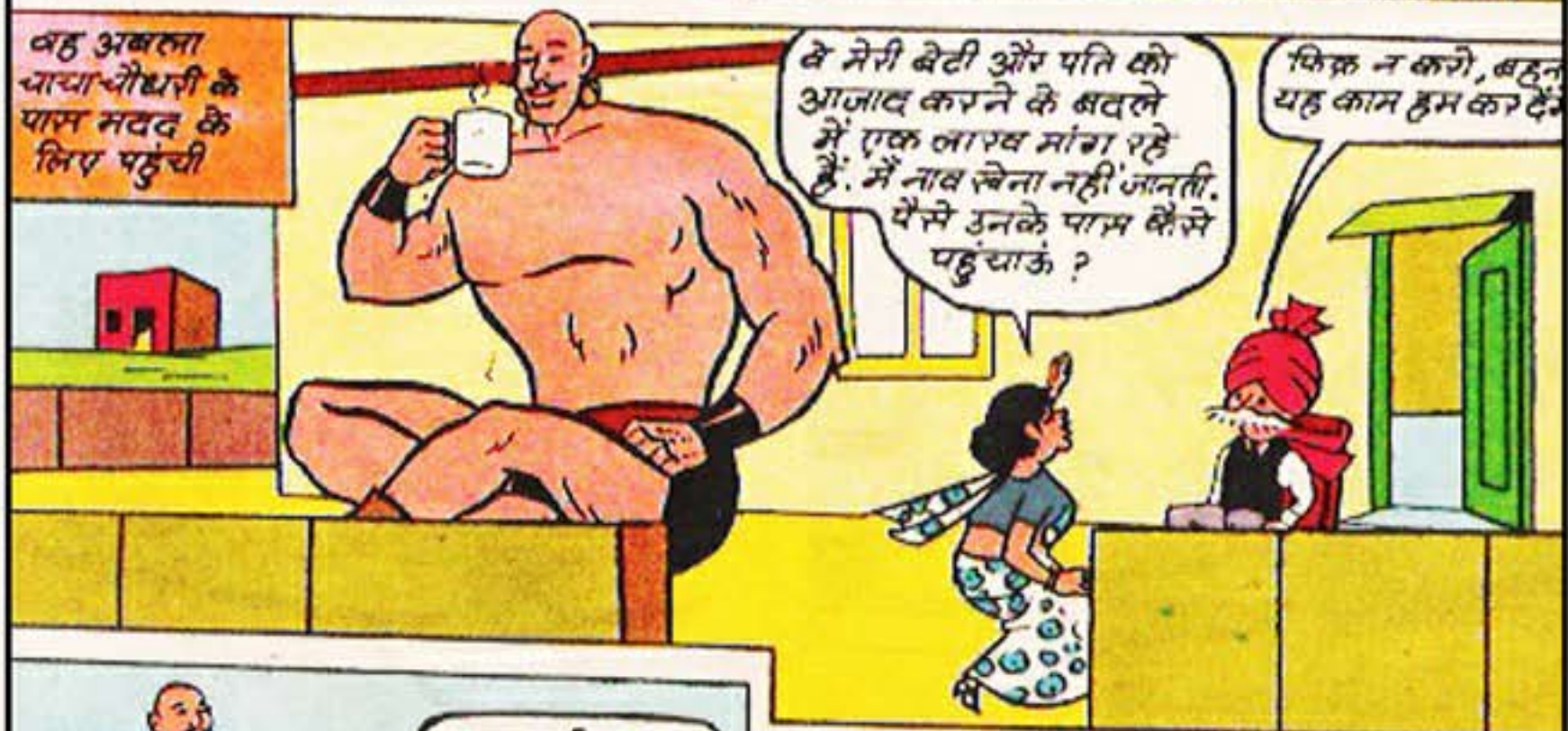
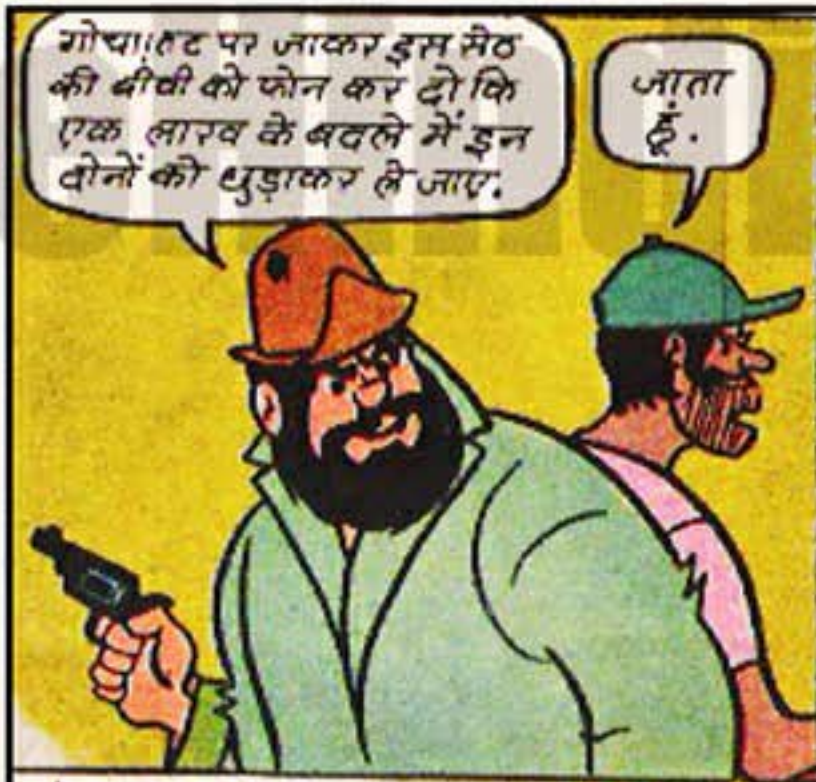
हमारे स्टीमर पर आओ. और अपनी बेटी को ले जाओ.

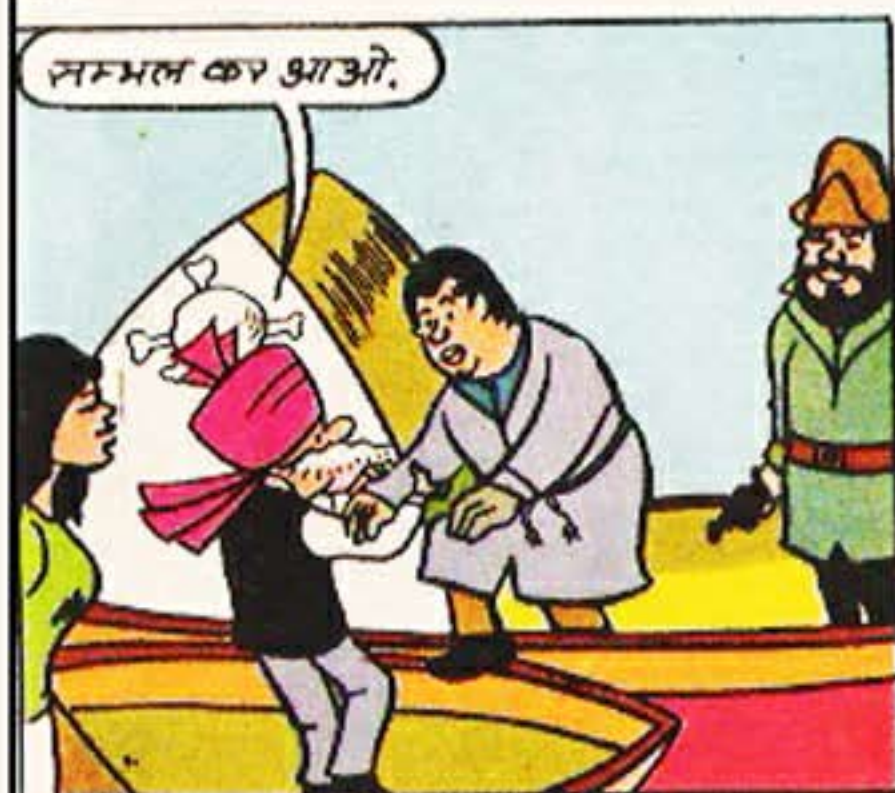


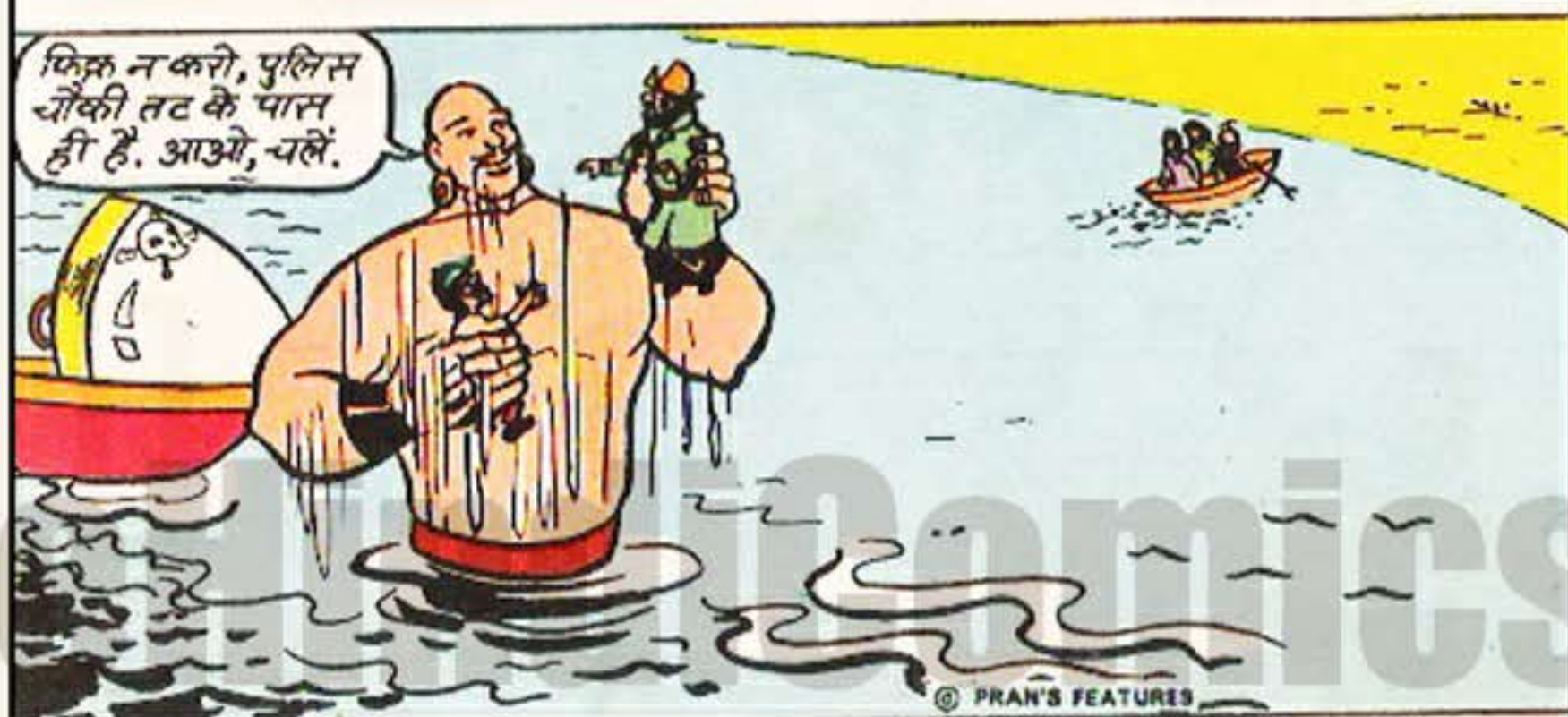
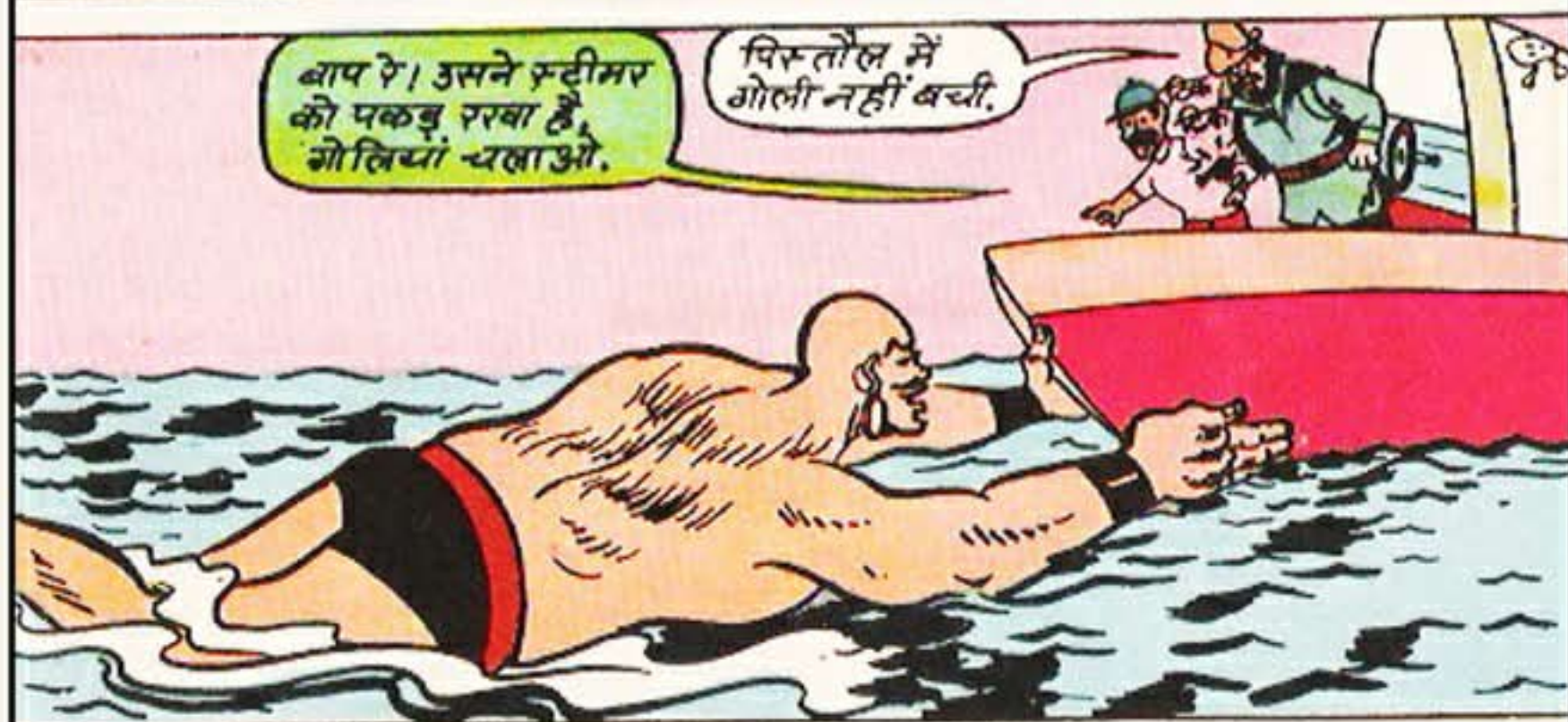
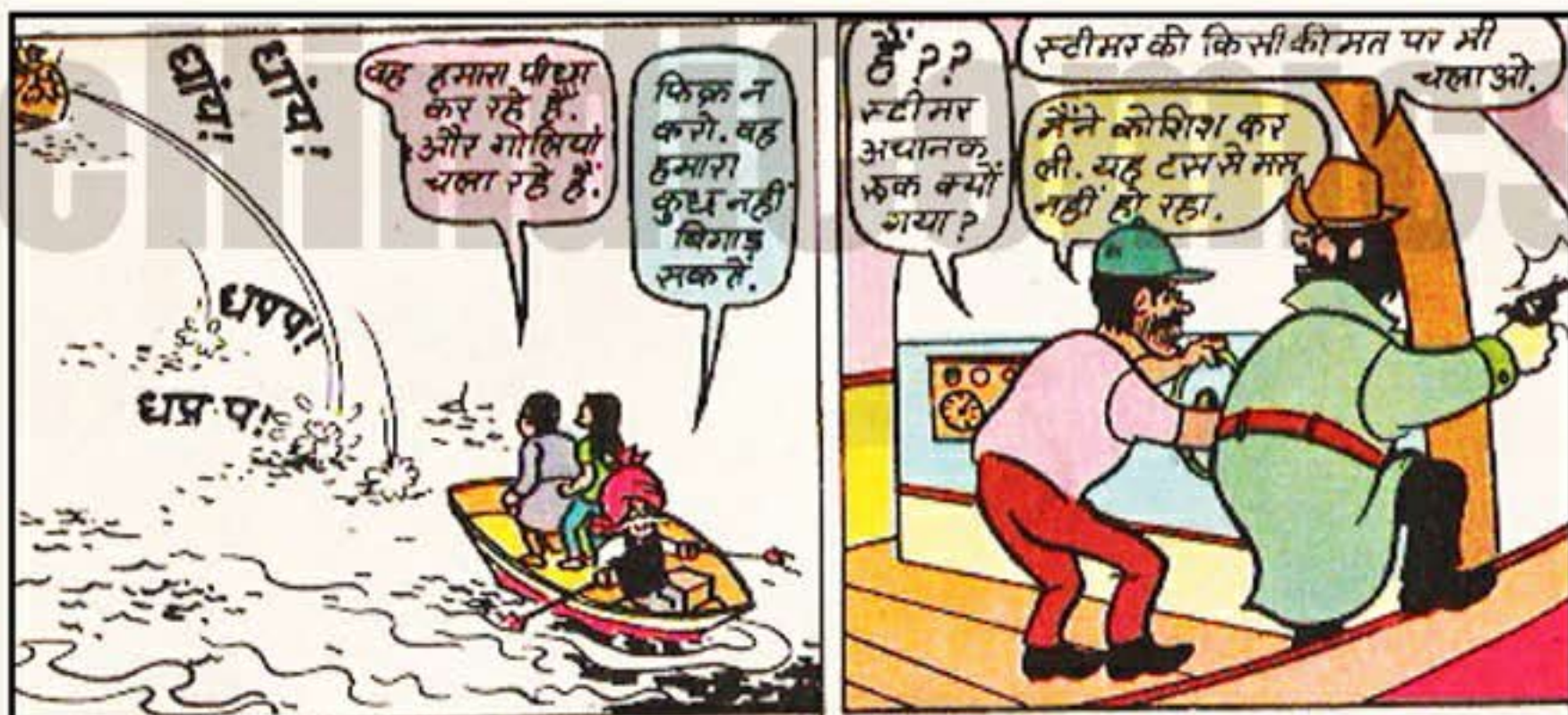
यह क्या? तुम मुझे क्यों बांध रहे हो?

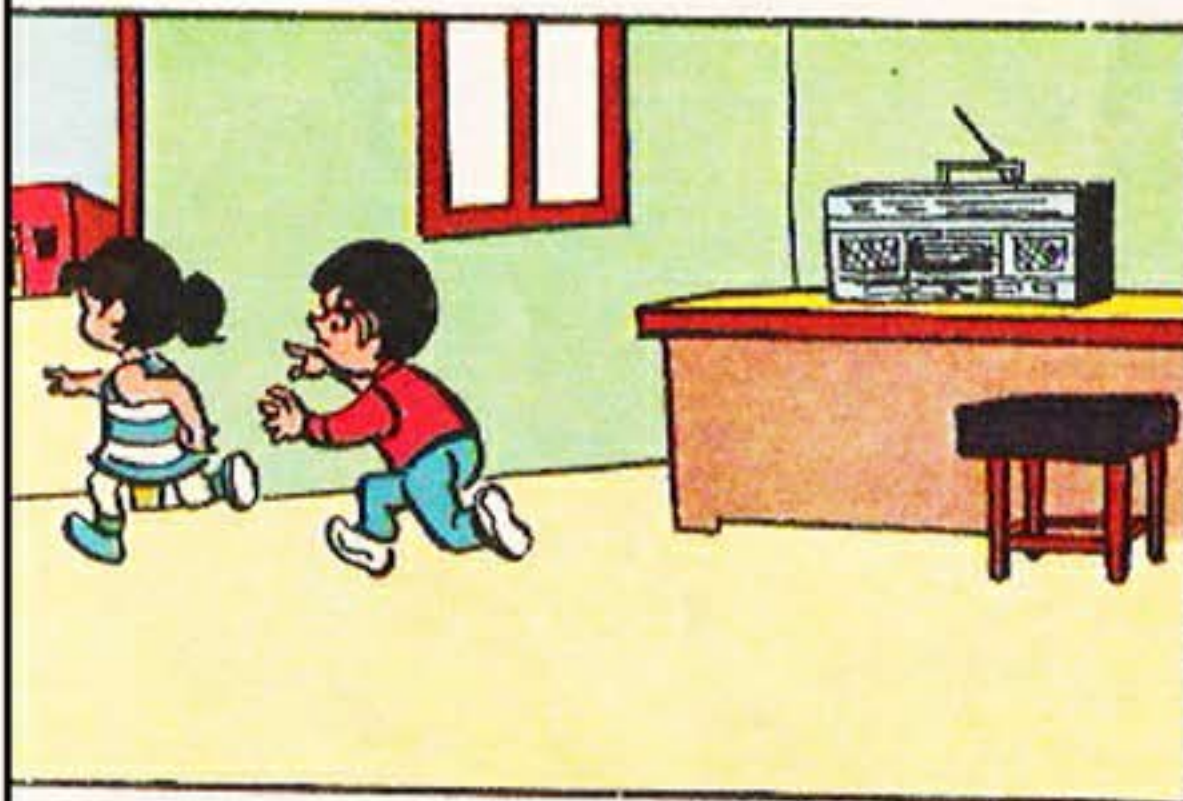
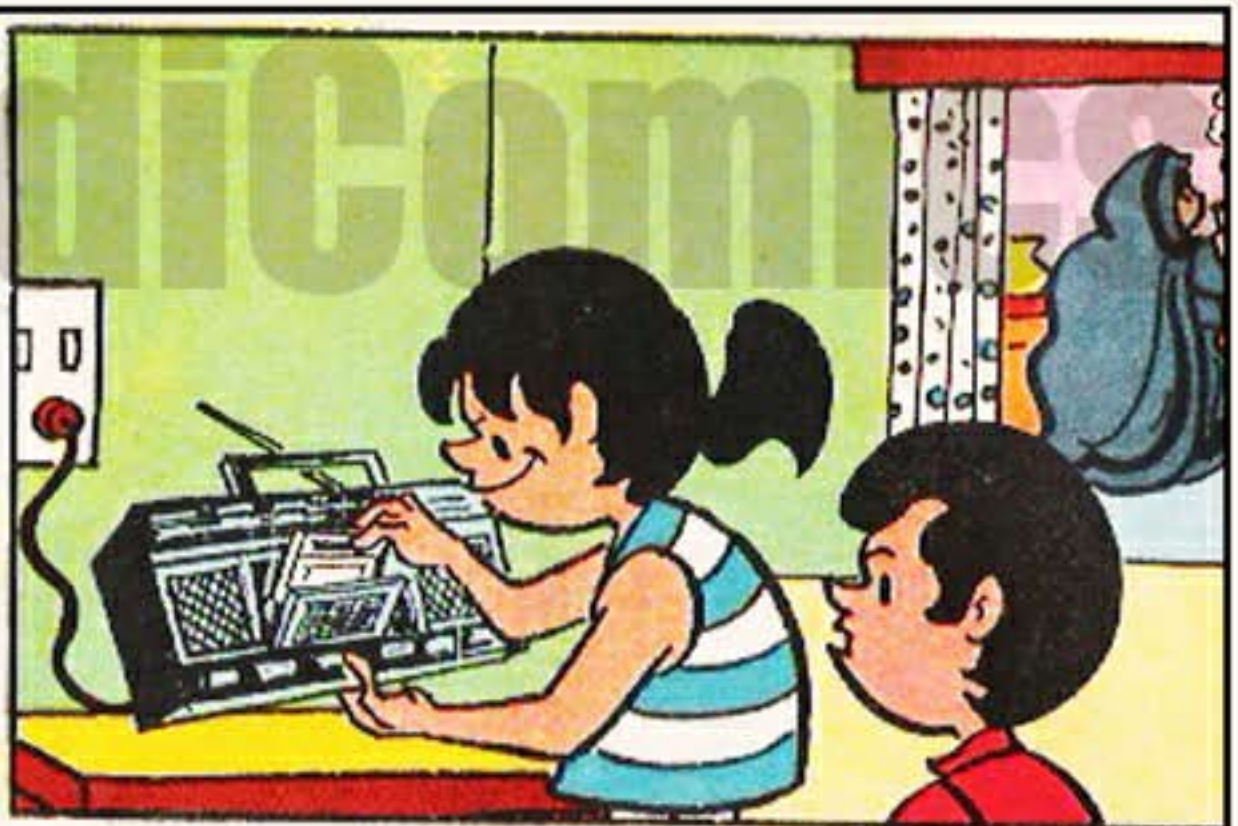
छनराम फैंगन के स्टीमर पर पहुंचा.

जब एक के बदले में पचास हजार मिल सकते हैं तो दो के बदले में एक लाख जरूर मिल जाएगा.





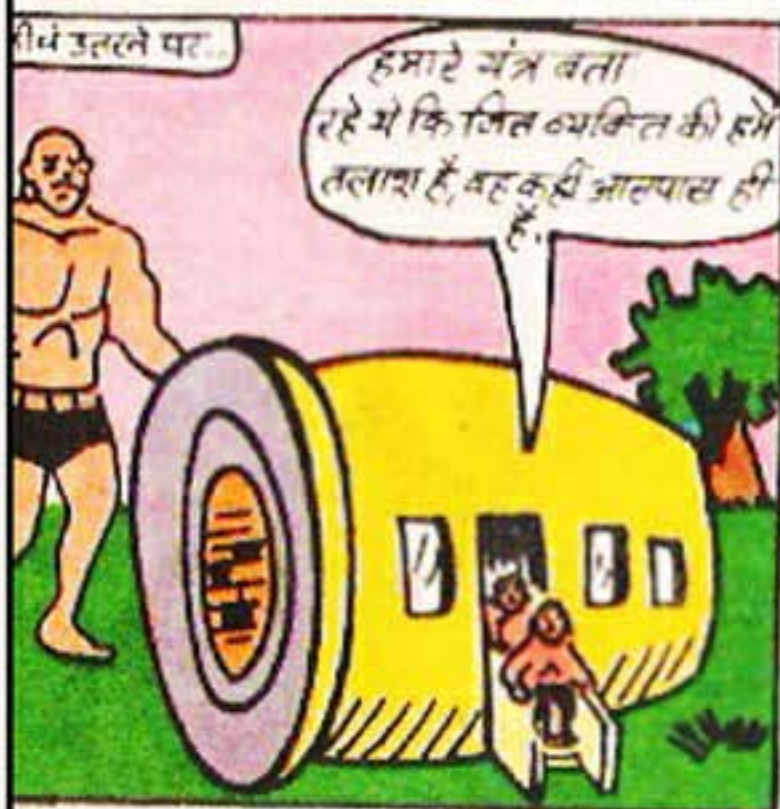
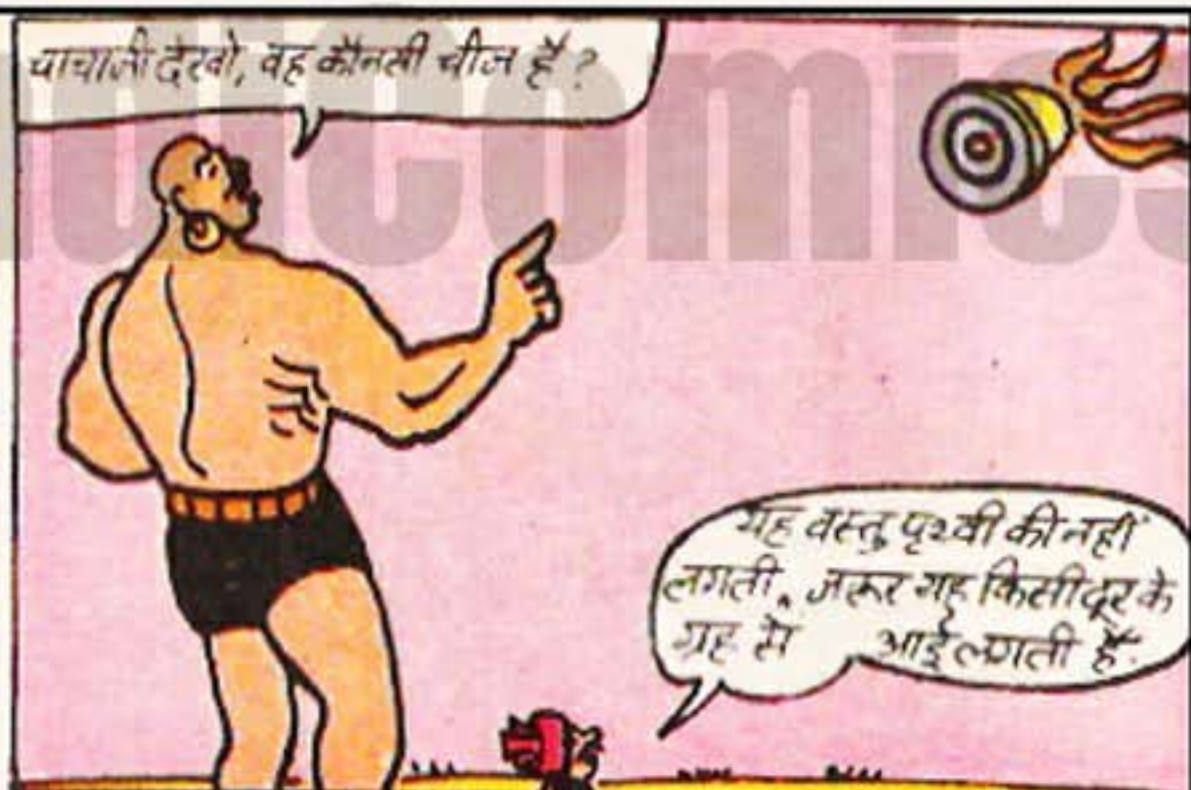


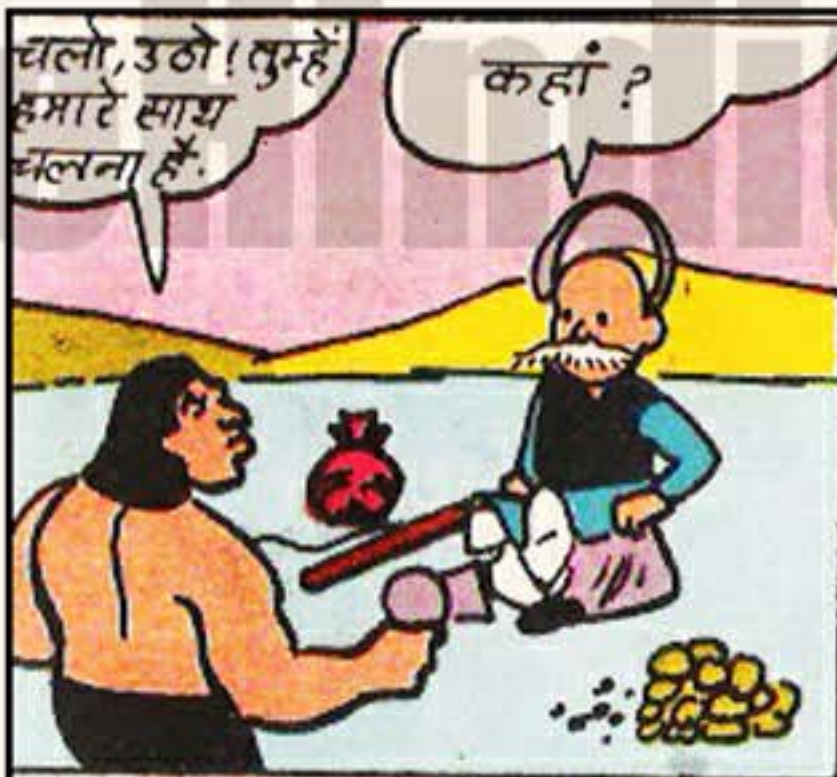


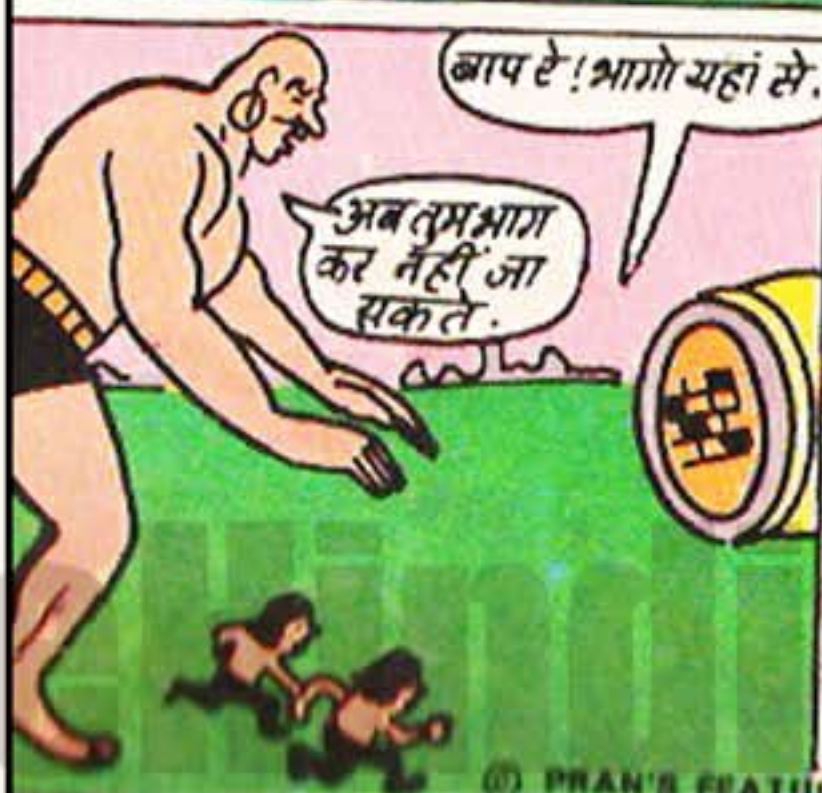
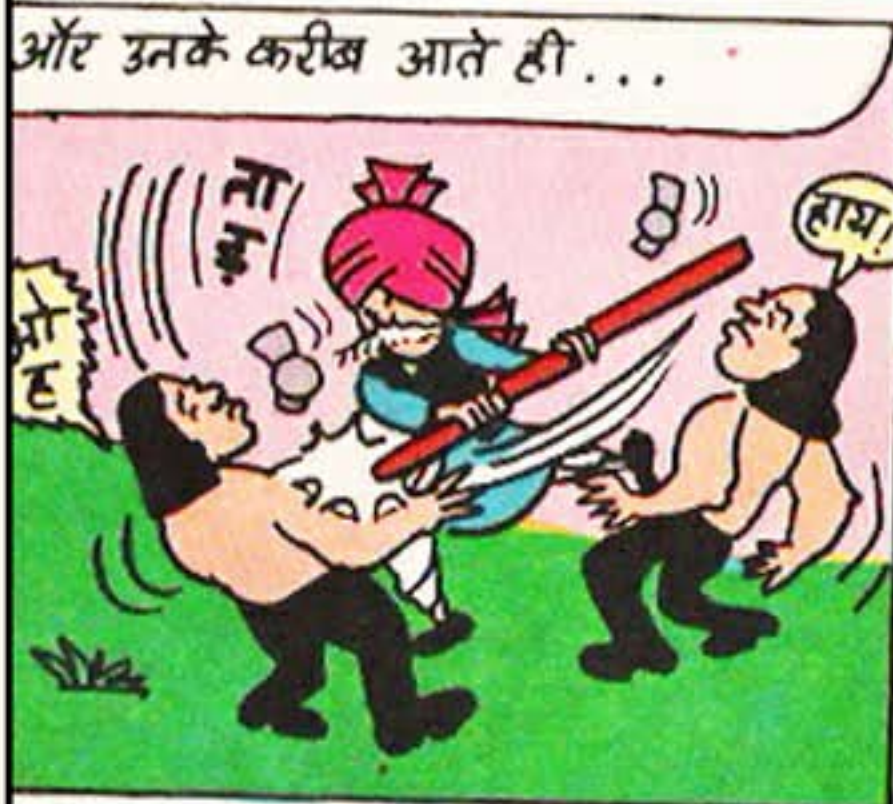


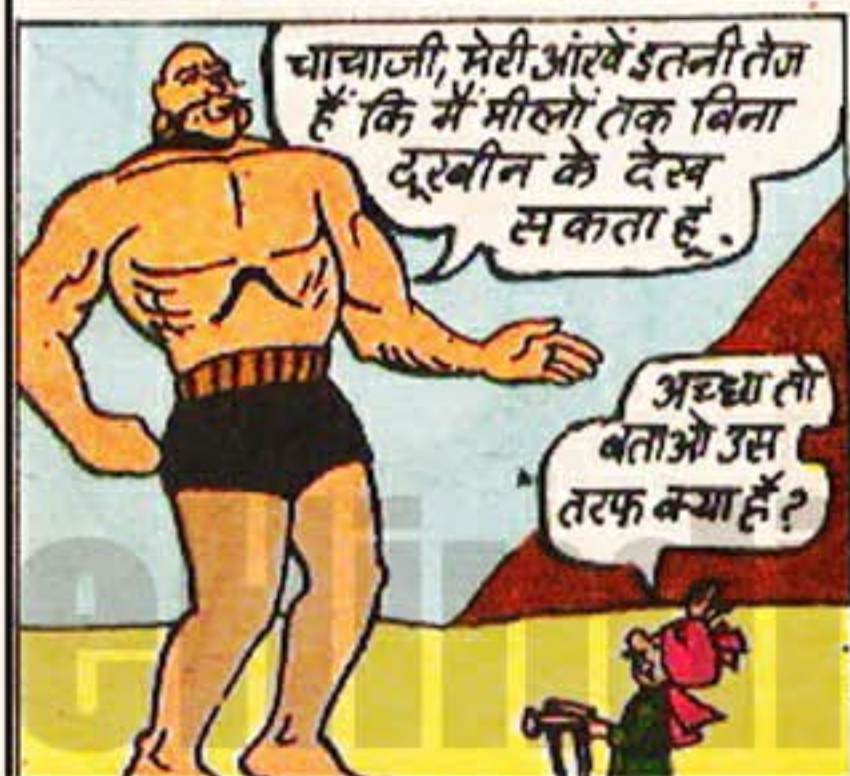
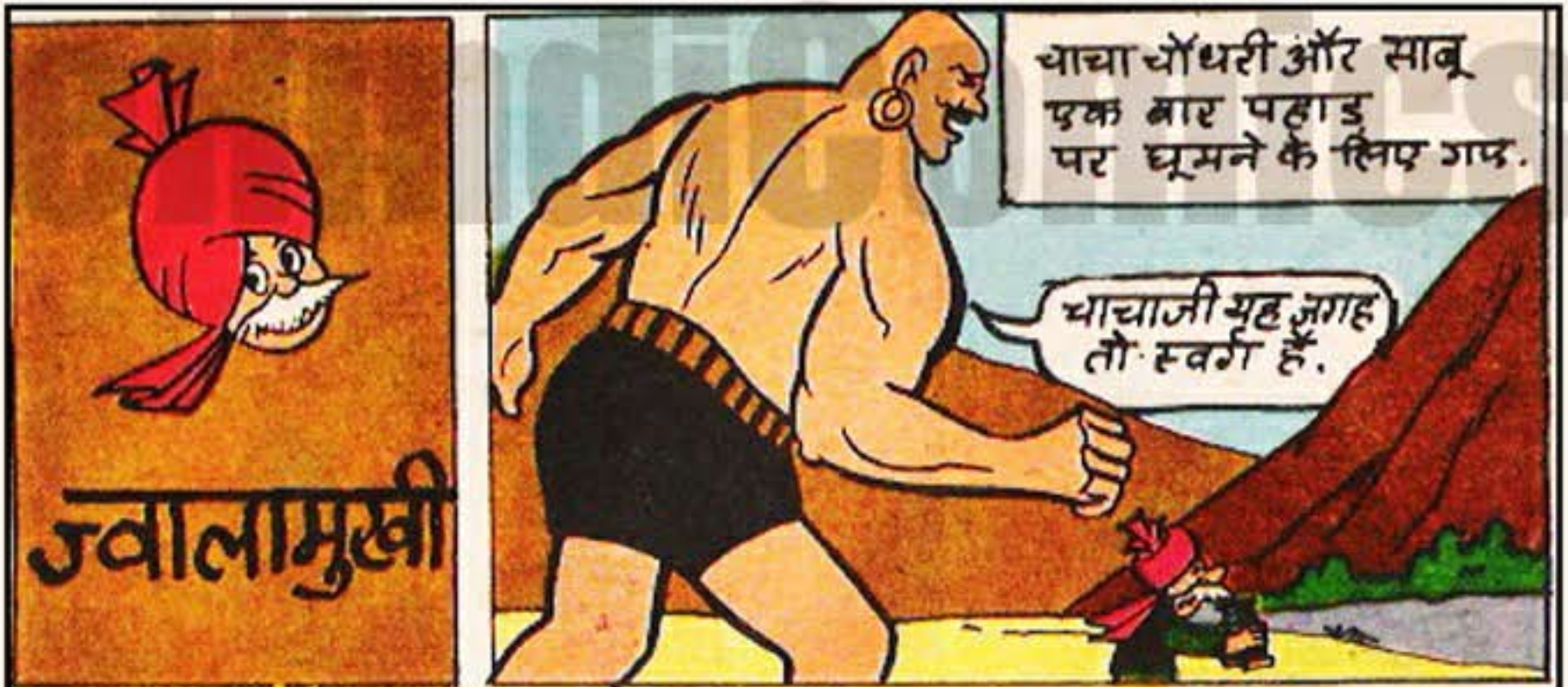


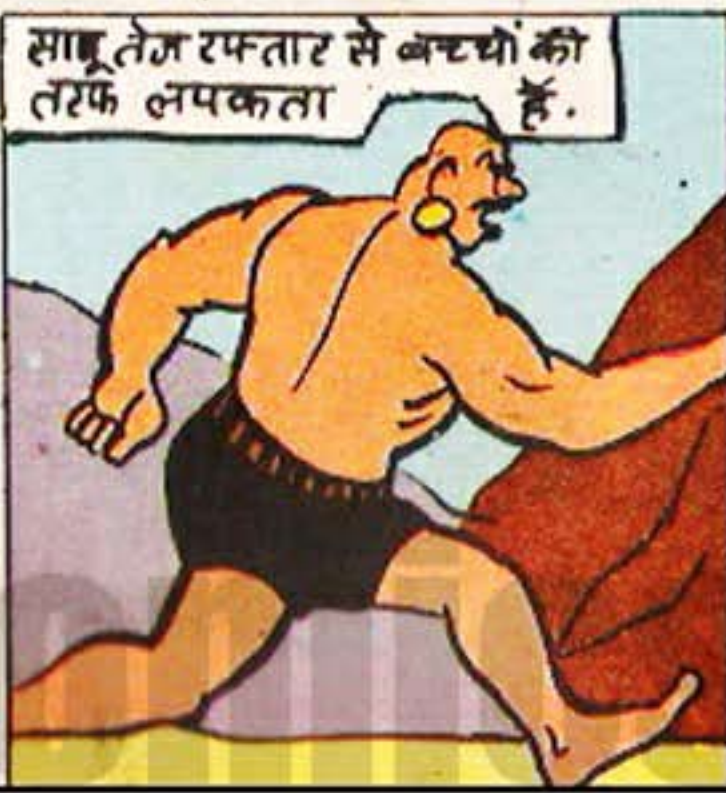
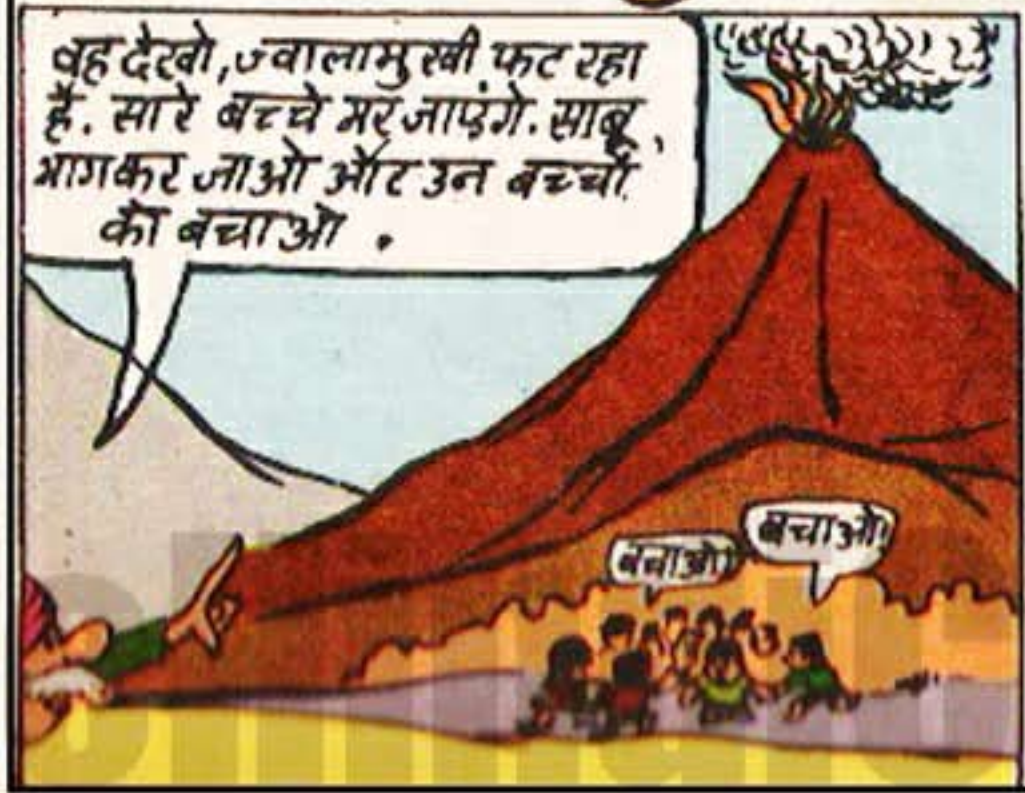
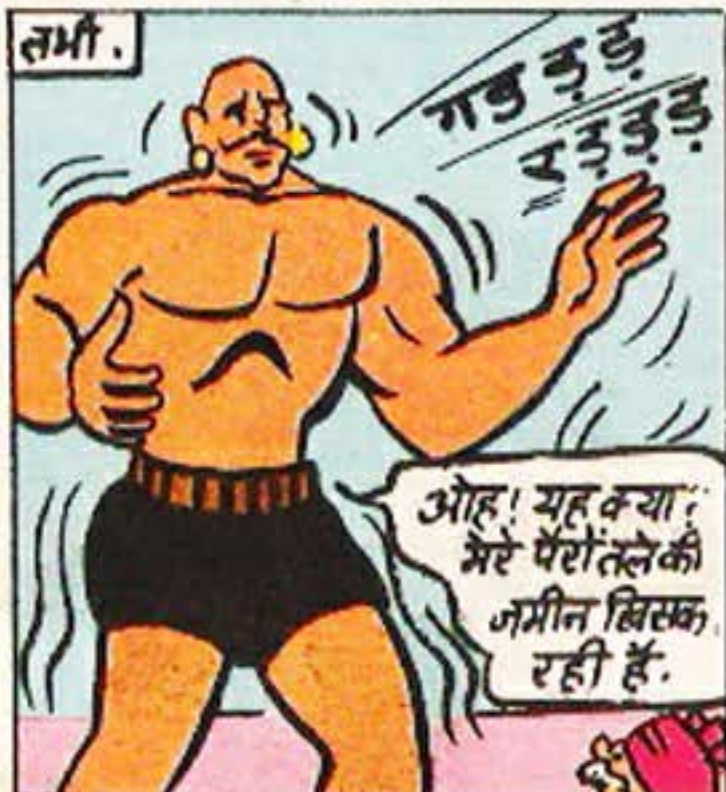


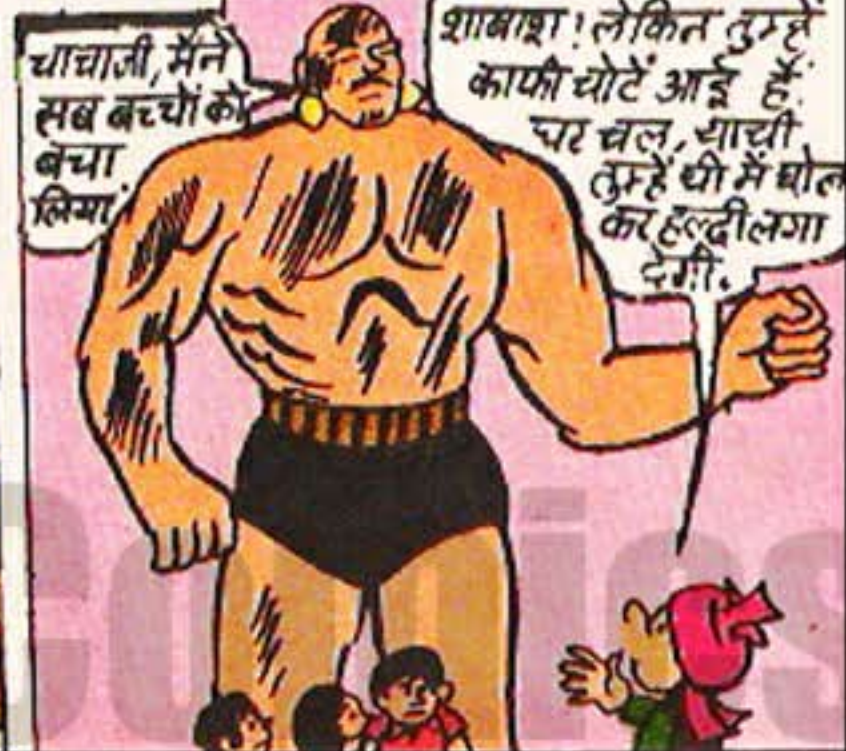
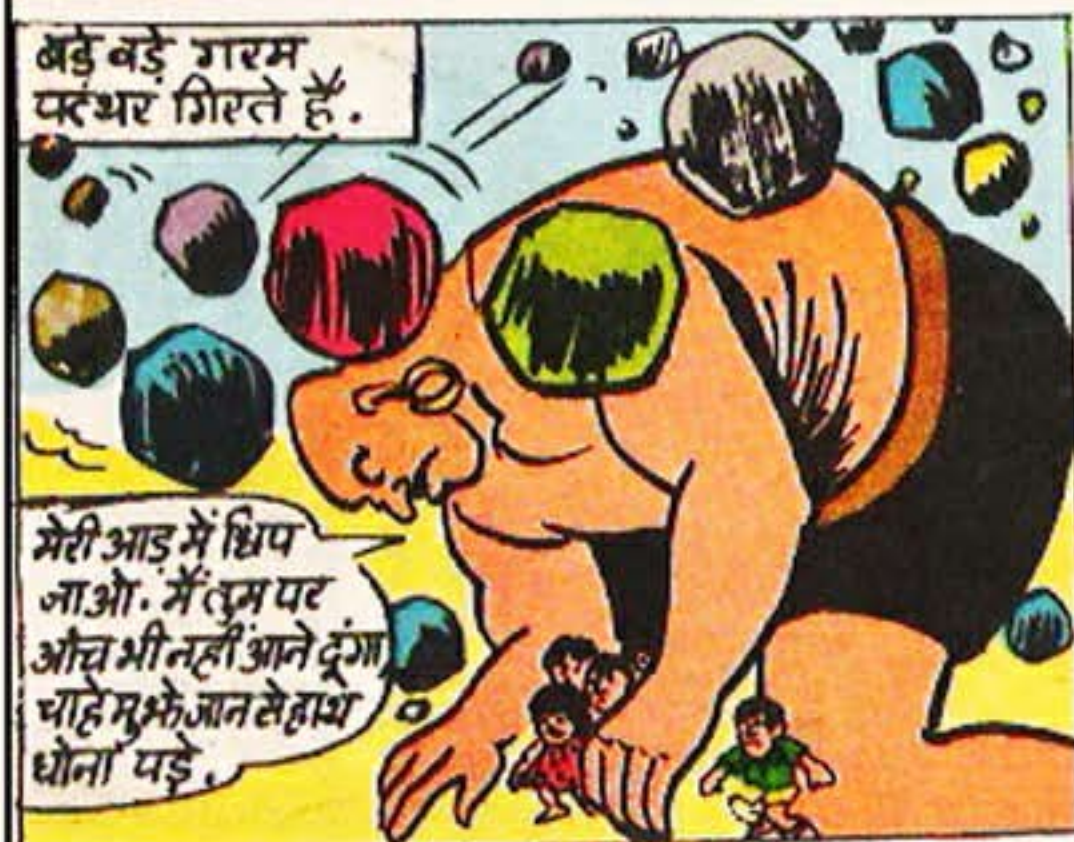
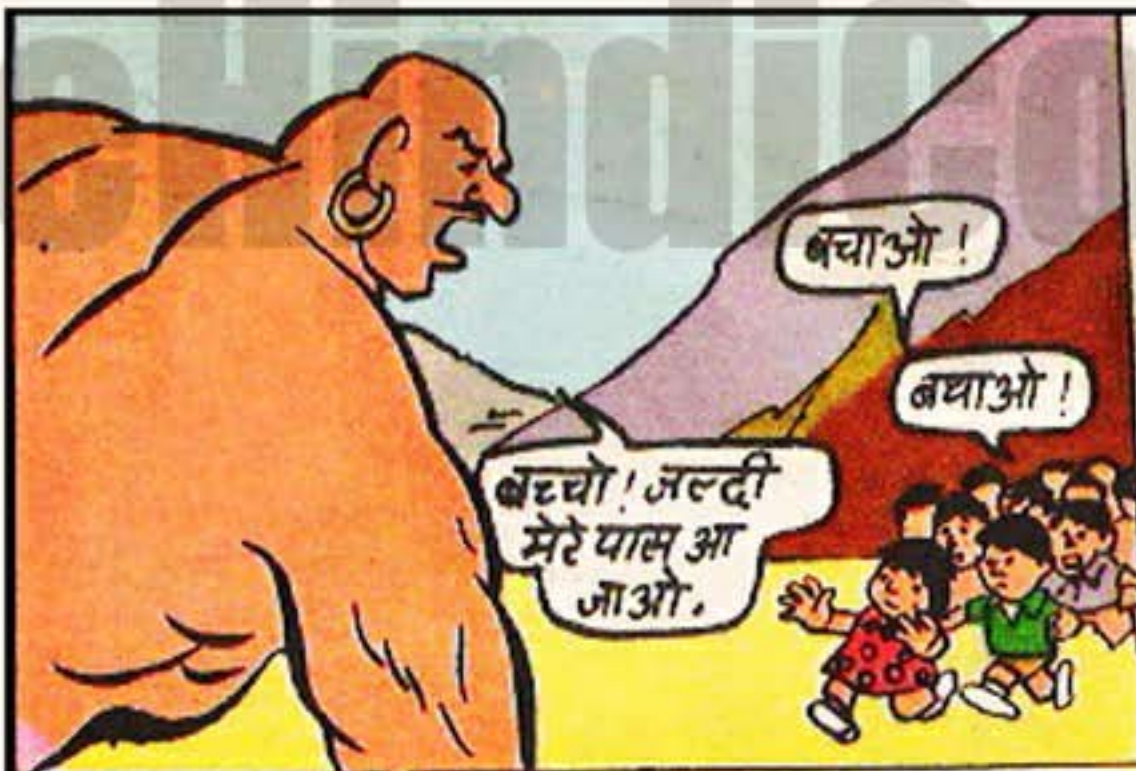


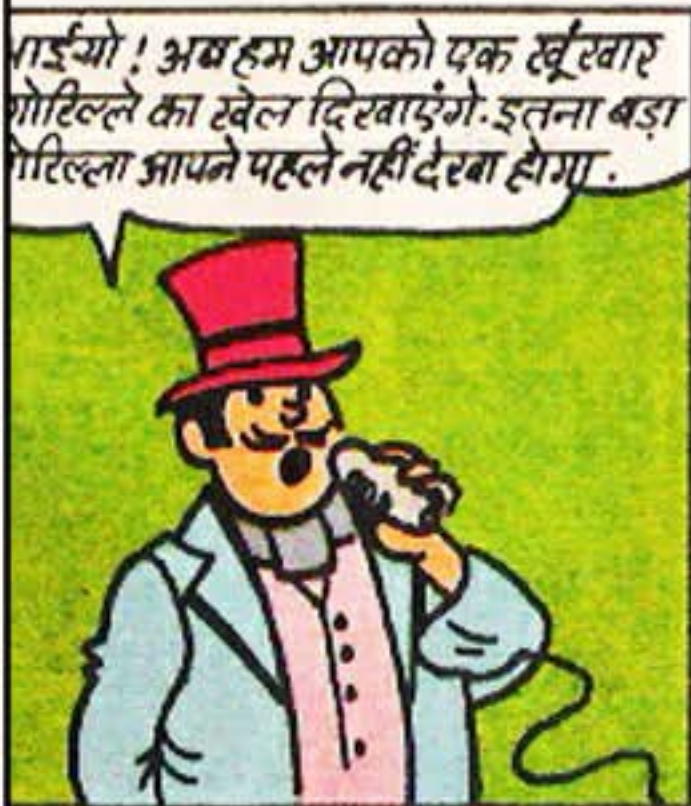




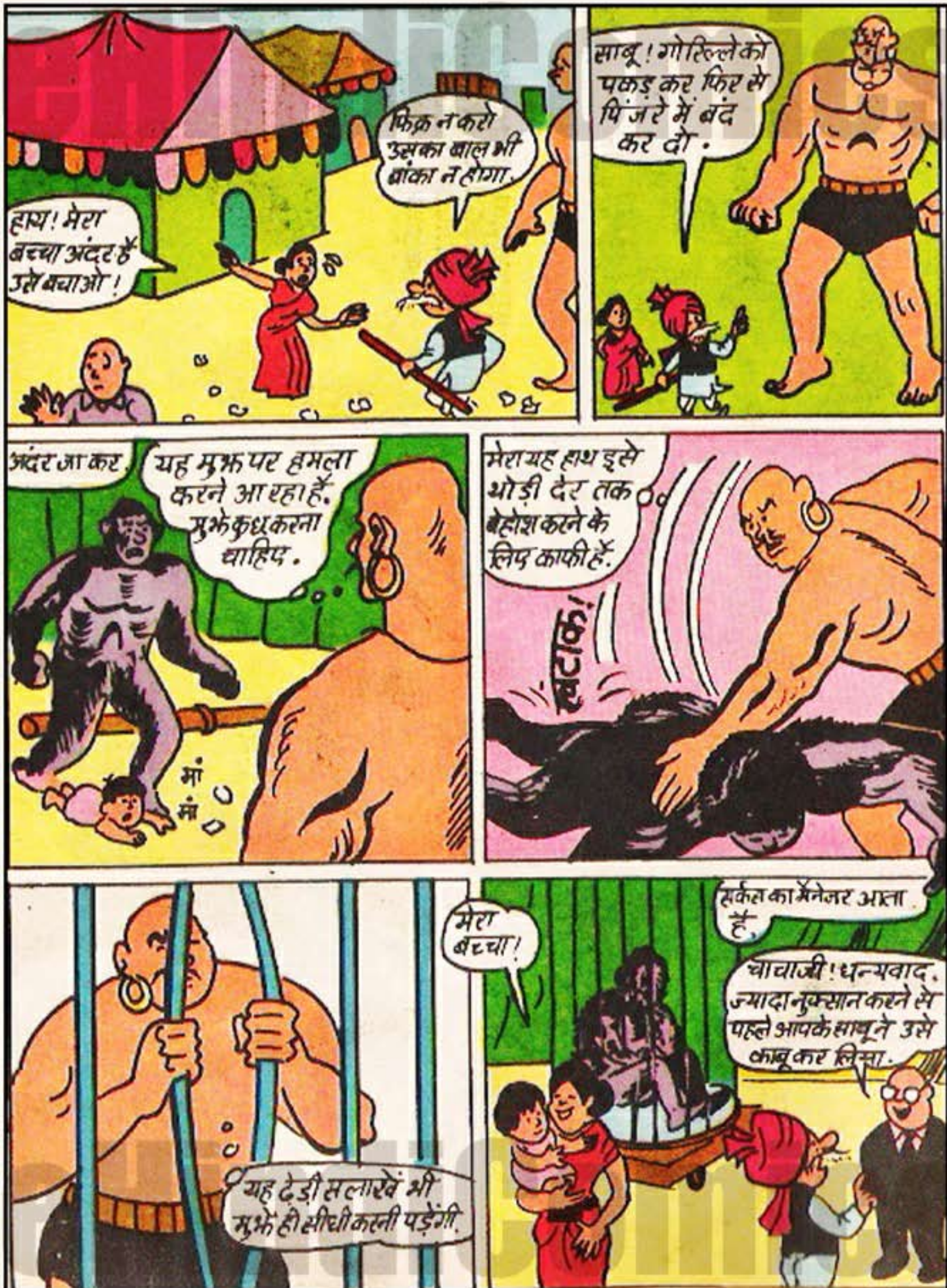










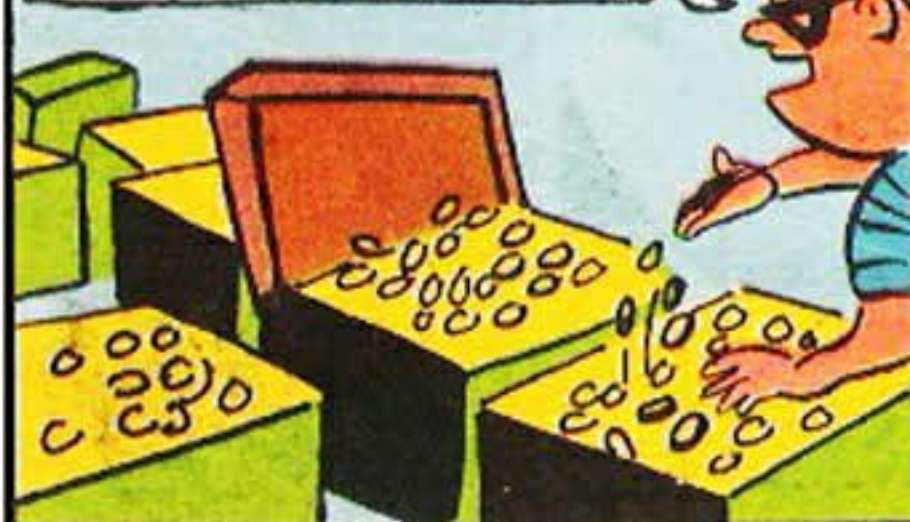


म्यूजियम में चोरी

मल्टू और पल्टू दो चोर एक रात शहर के एक बड़े म्यूजियम में घुस गए.



वाह! यह देखो, शहंशाह अकबर और जहांगीर के जमाने की अशरफियों से पेटियां भरी पड़ी हैं, ये करोड़ों में बिकेंगी. इन्हें बेचकर हम बाकी जिंदगी आराम से बितायेंगे.



पर इतने बड़े बक्से चौकीदार हमें कैसे ले जाने देगा?



(मल्टू, जल्दी अशरफियों के बक्से ट्रक में) डुवा.)

पाँच मिनट में सारी पेटियां ट्रक में ला जायेंगी.



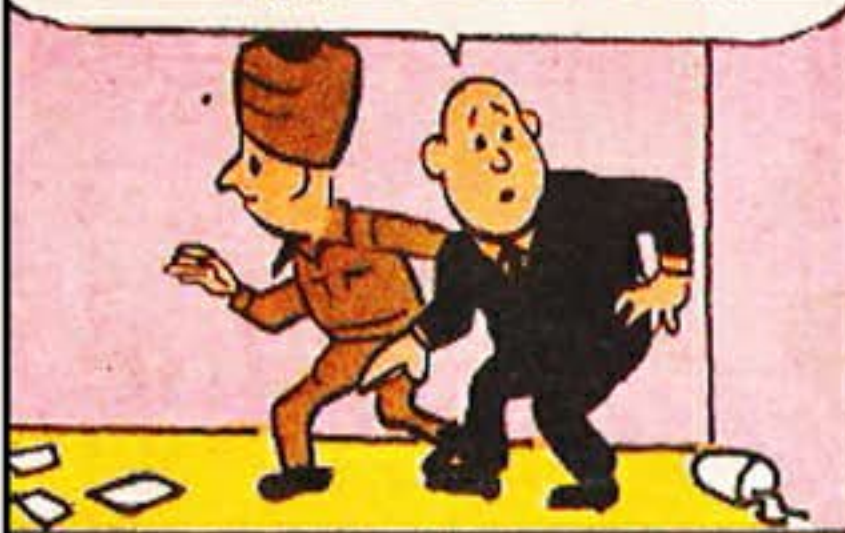
और अशरफियों को ट्रक में रखकर दोनों फरार हो जाते हैं.

आज से हम करोड़पति हो गए!



© PRAN'S FEATURES

दूसरे दिन सुबह म्यूजियम का मैनेजर आता है,
सोने की अशराफियों की सारी पेटियां गायब हैं!
जल्द चोर उन्हें ट्रक में लाद कर ले गए होंगे.

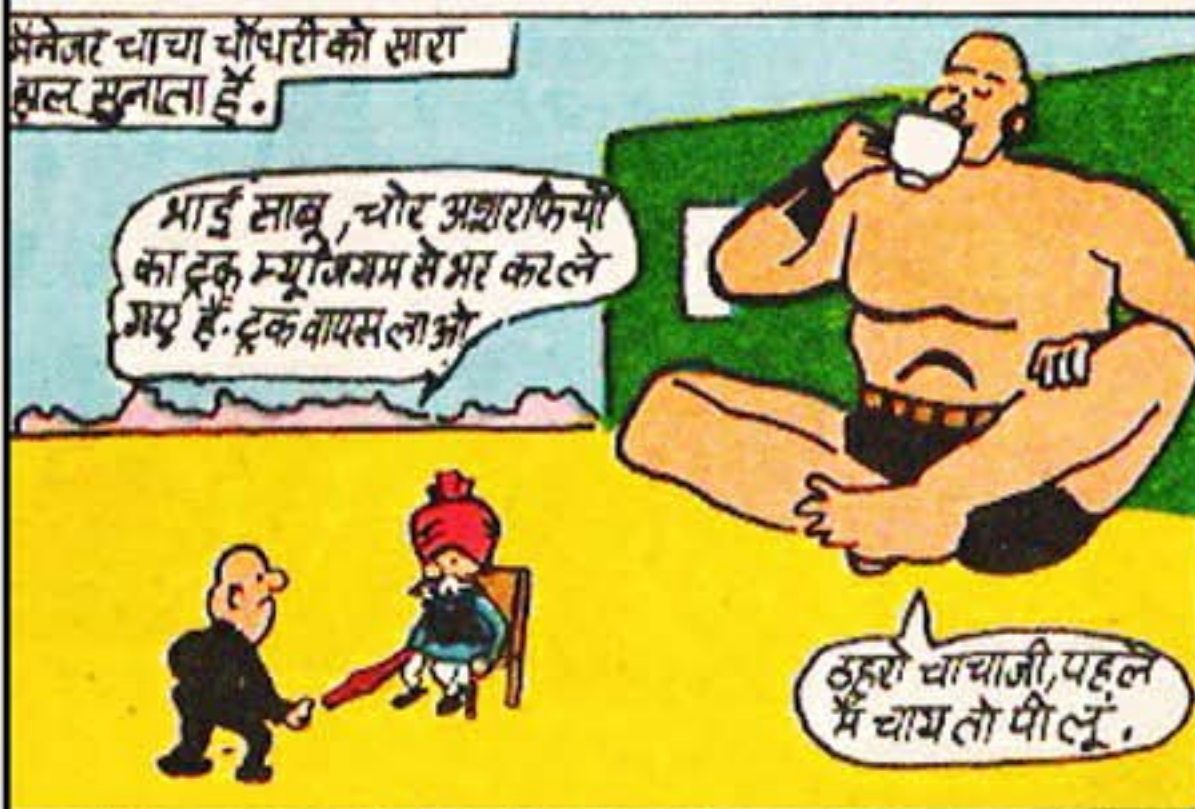


वे अशराफियां राष्ट्रीय सम्पत्तियां, यदि
चोर उन्हें हड़पने में कामयाब हो गए तो बहुत बुरा
होगा. मुझे चाचा चौधरी की मदद लेनी चाहिए.



मैनेजर चाचा चौधरी को सारा
खल सुनाता है.

भाई साबू, चोर अशराफियों
का ट्रक म्यूजियम से भर कर ले
गए हैं. ट्रक वापस लाओ.

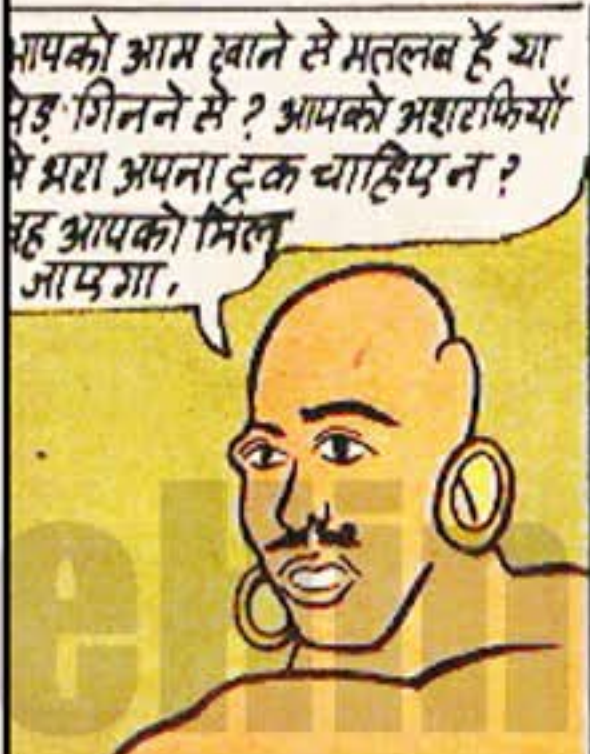


ठहरो चाचाजी, पहले
मैं चाय तो पी लूं.

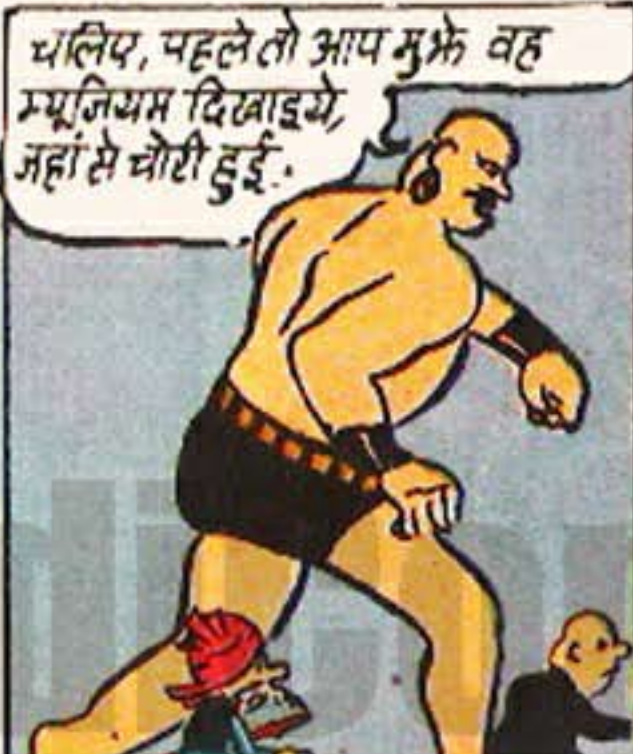
अजीब आदमी हो? इतना भी
नहीं समझते कि जितनी देर
करोगे, वह ट्रक भी उतना ही
दूर निकल जाएगा.



आपको आम खाने से मतलब है या
पेड़ गिनने से? आपको अशराफियों
से भरा अपना ट्रक चाहिए न?
वह आपको मिला
जाएगा.

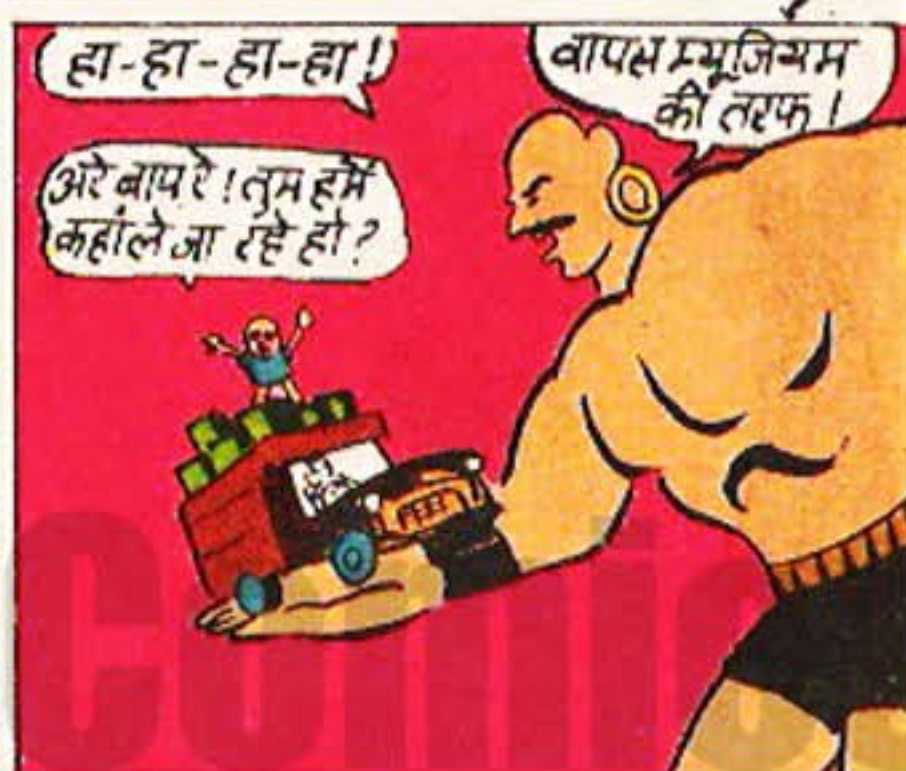
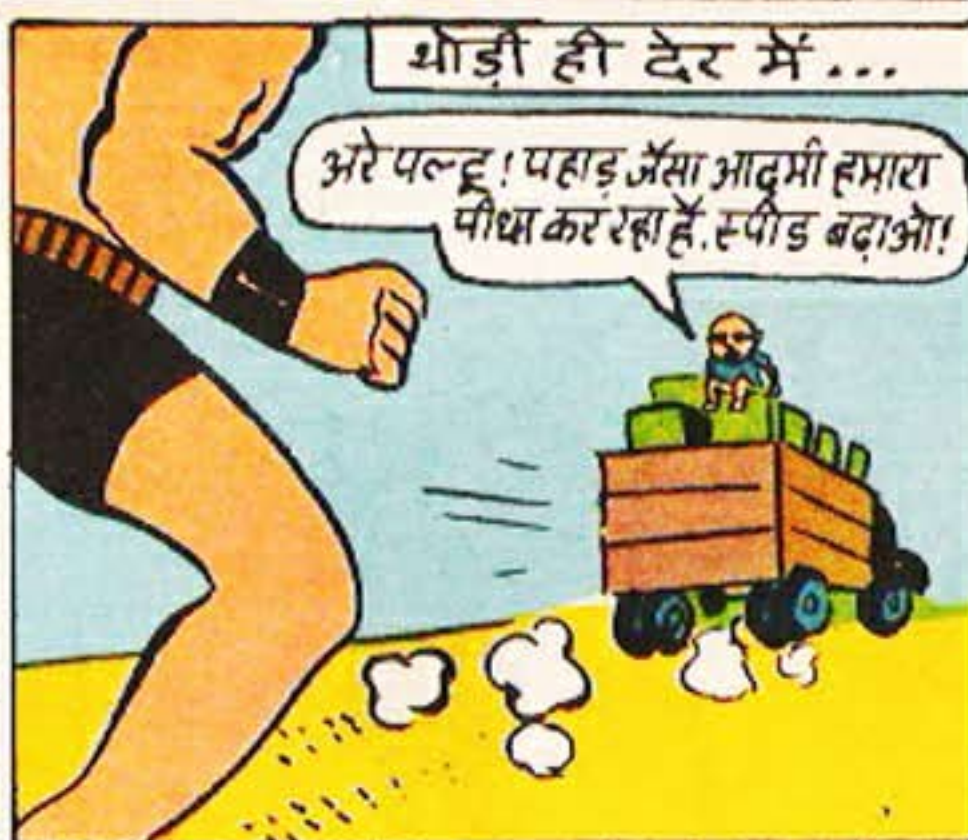
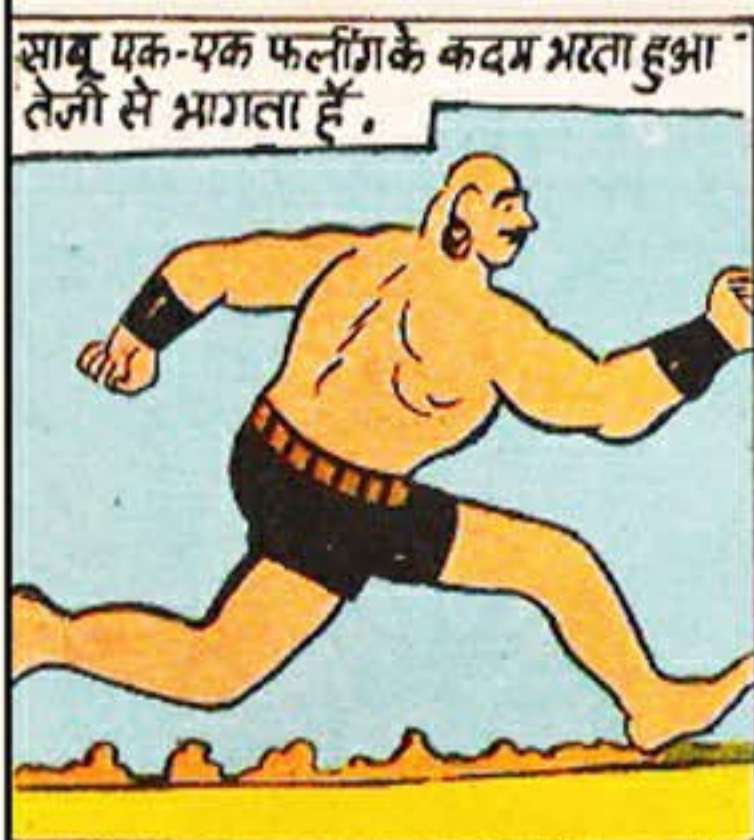


चलिए, पहले तो आप मुझे वह
म्यूजियम दिखाइये,
जहां से चोरी हुई.

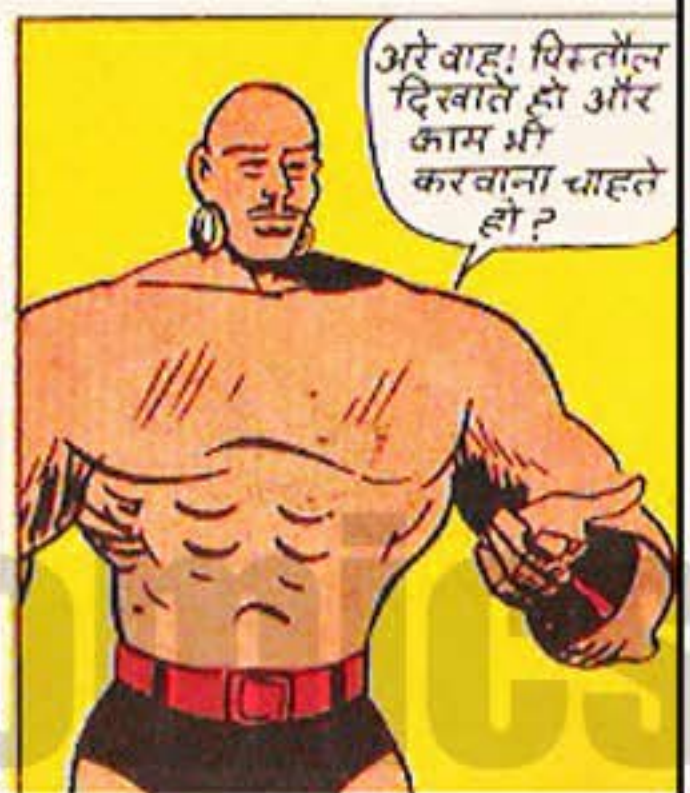
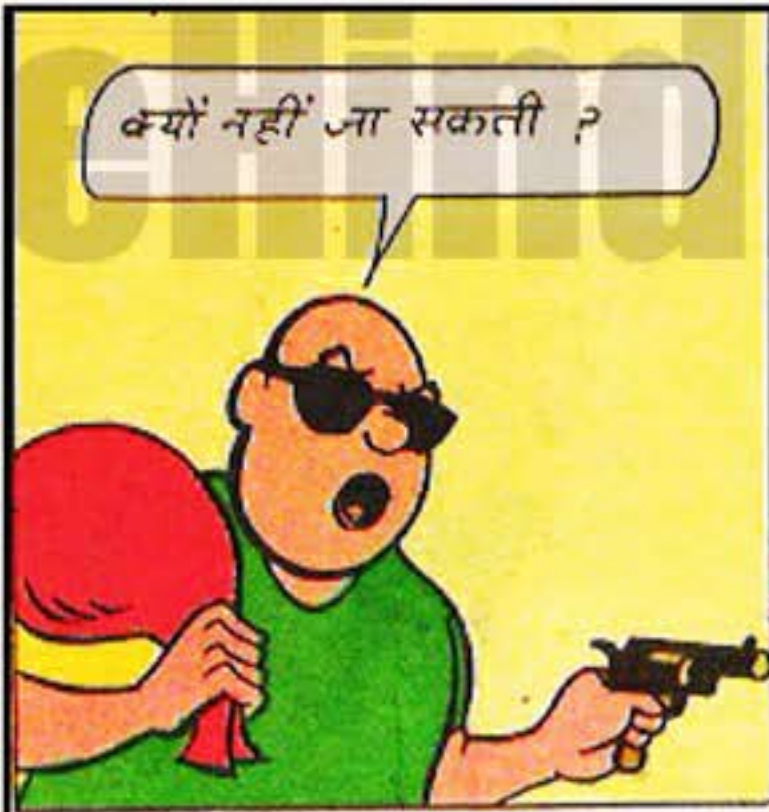


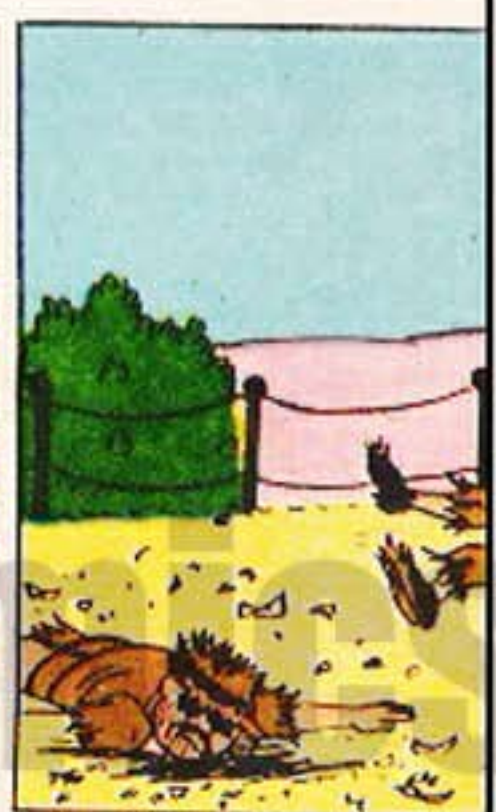
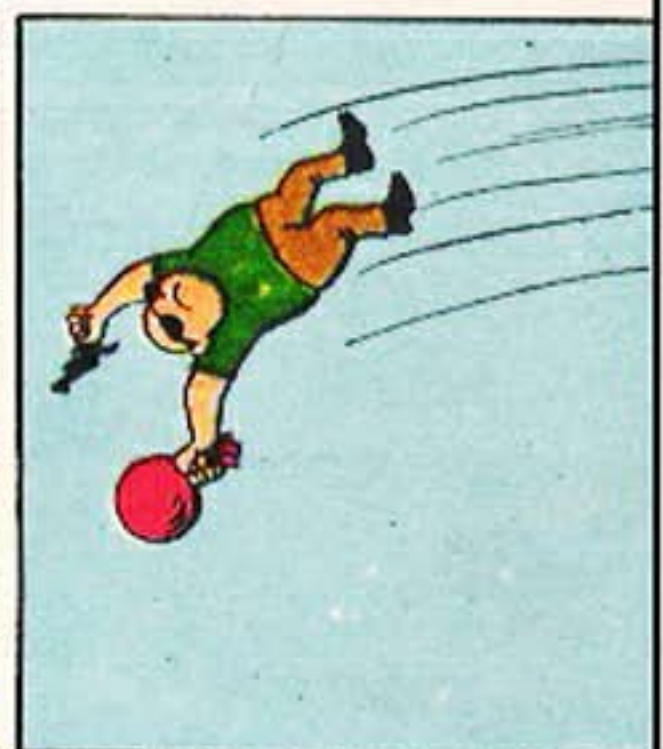
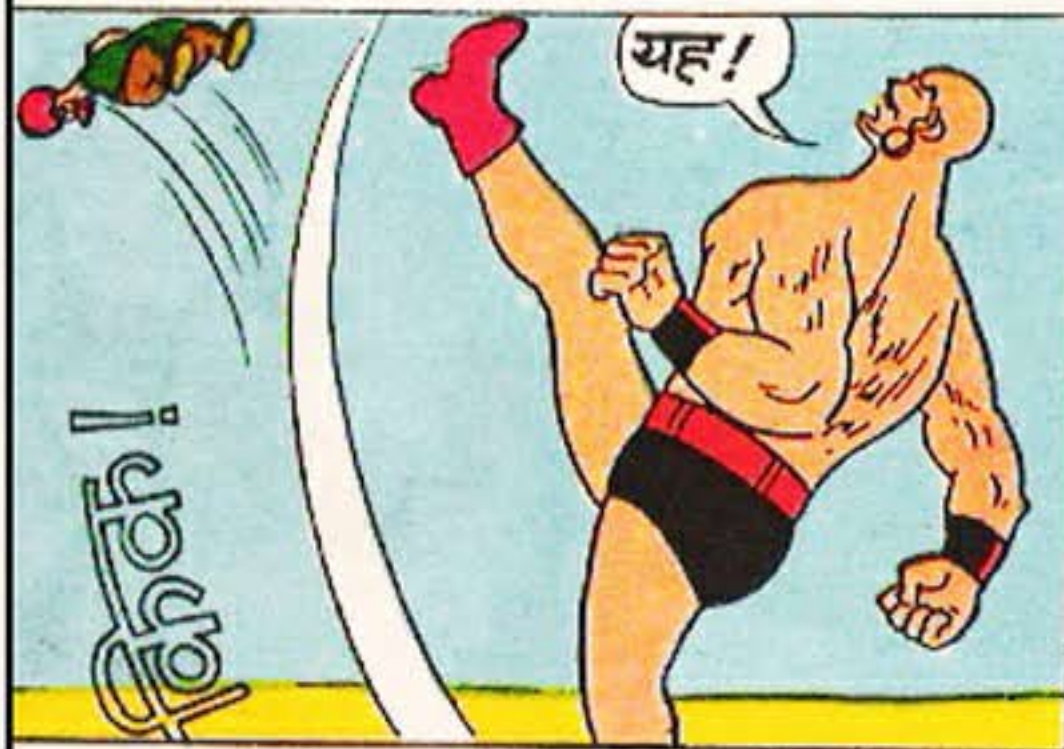
यह रहा वह
म्यूजियम.











टिन का पुतला

अरे पलटू ! यह क्या टिन का पुतला बनाया है .

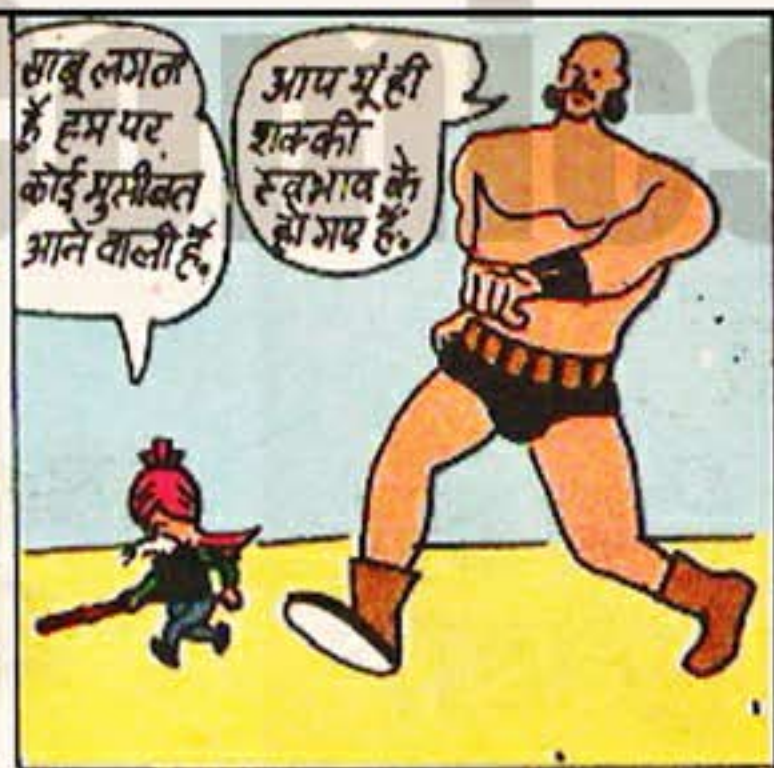
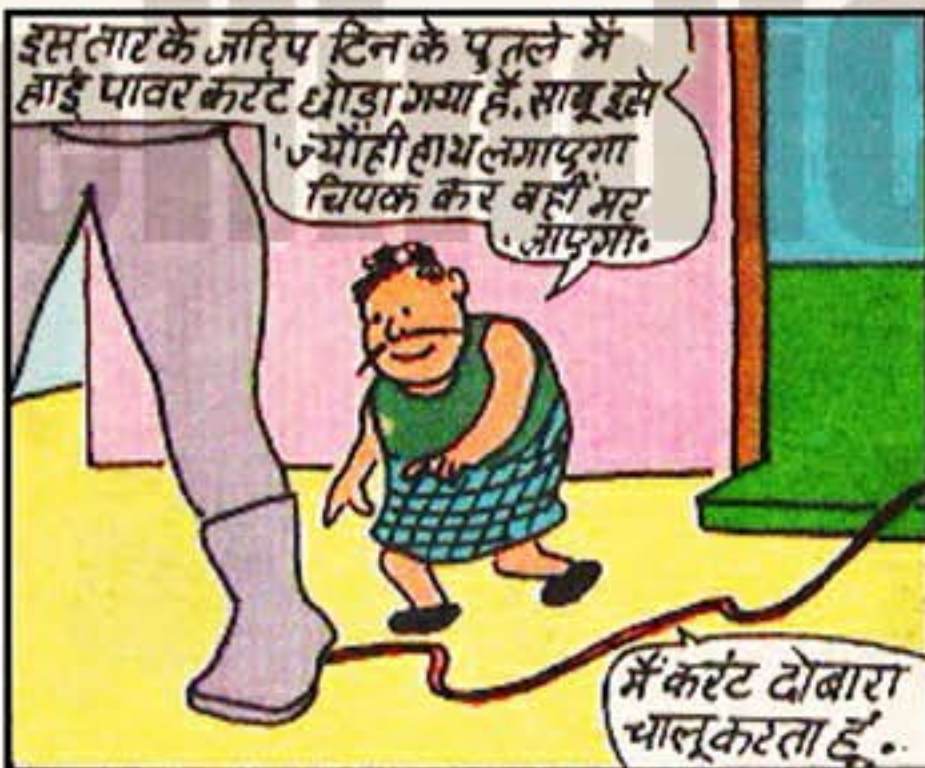
यह हैं साबू की मौत !

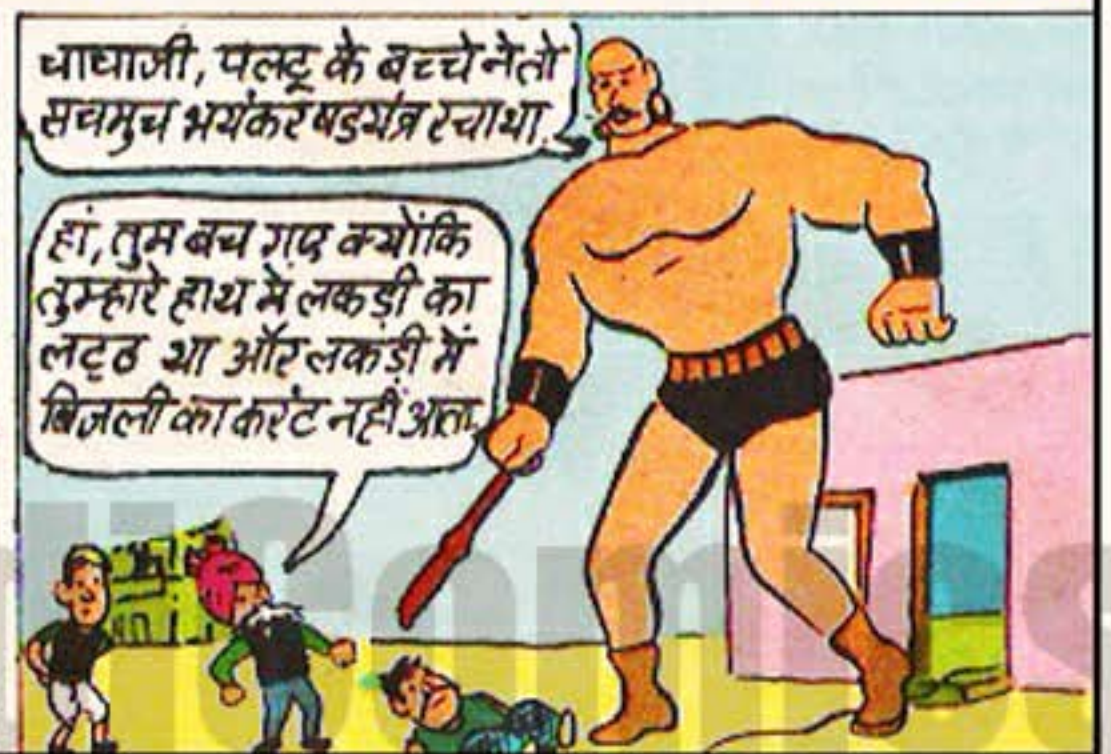
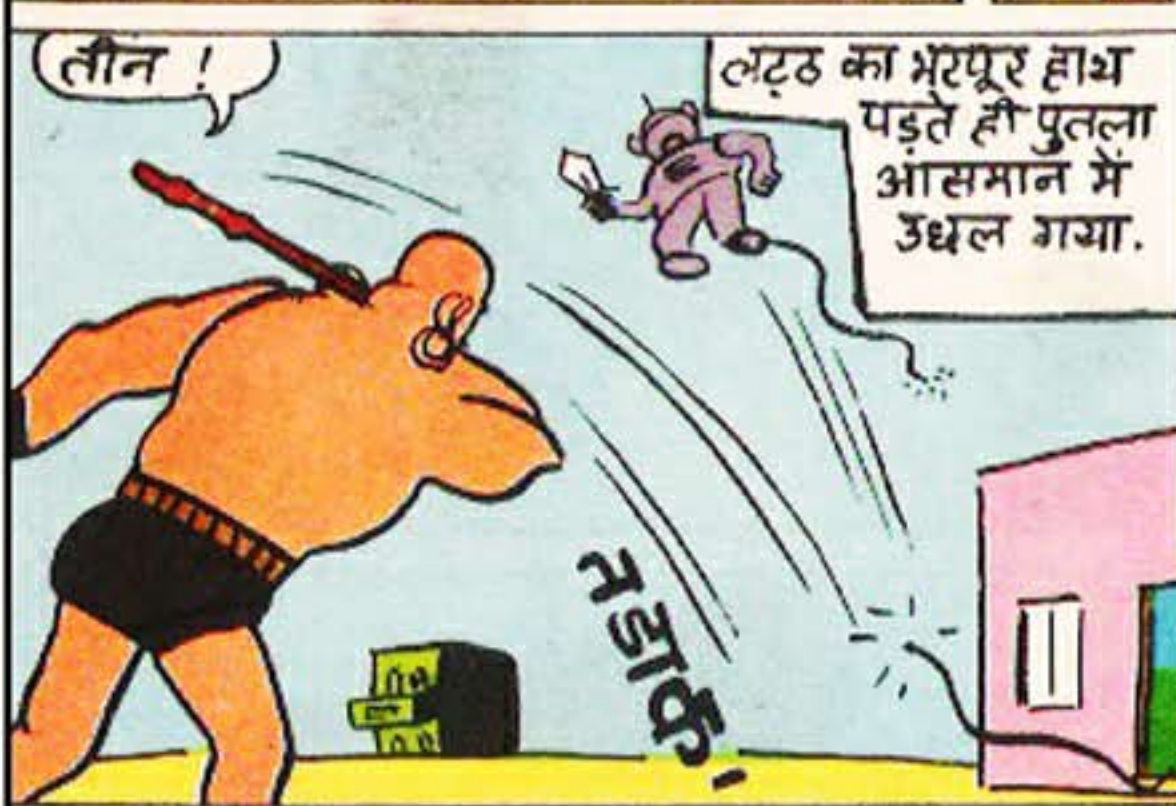
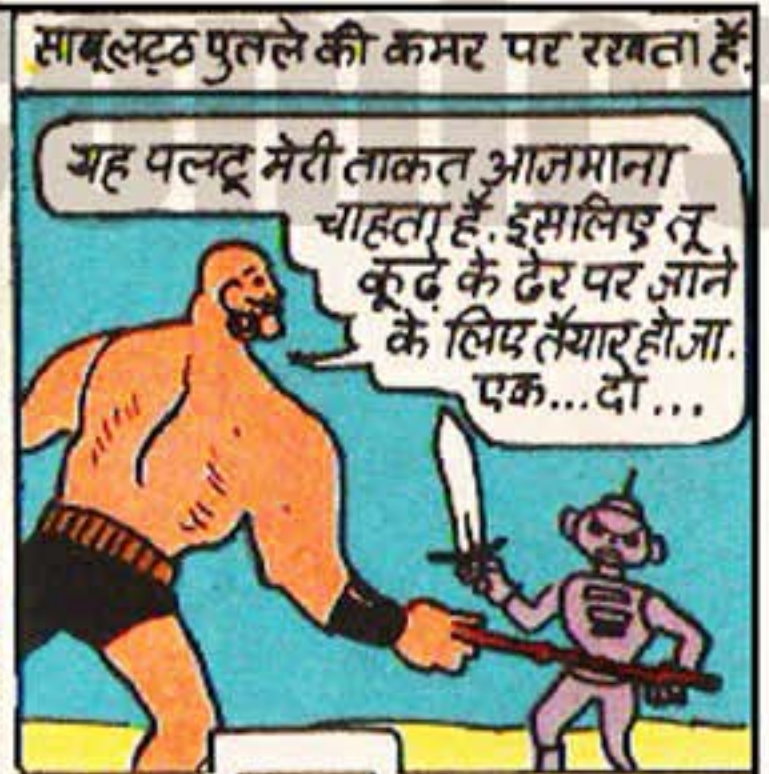
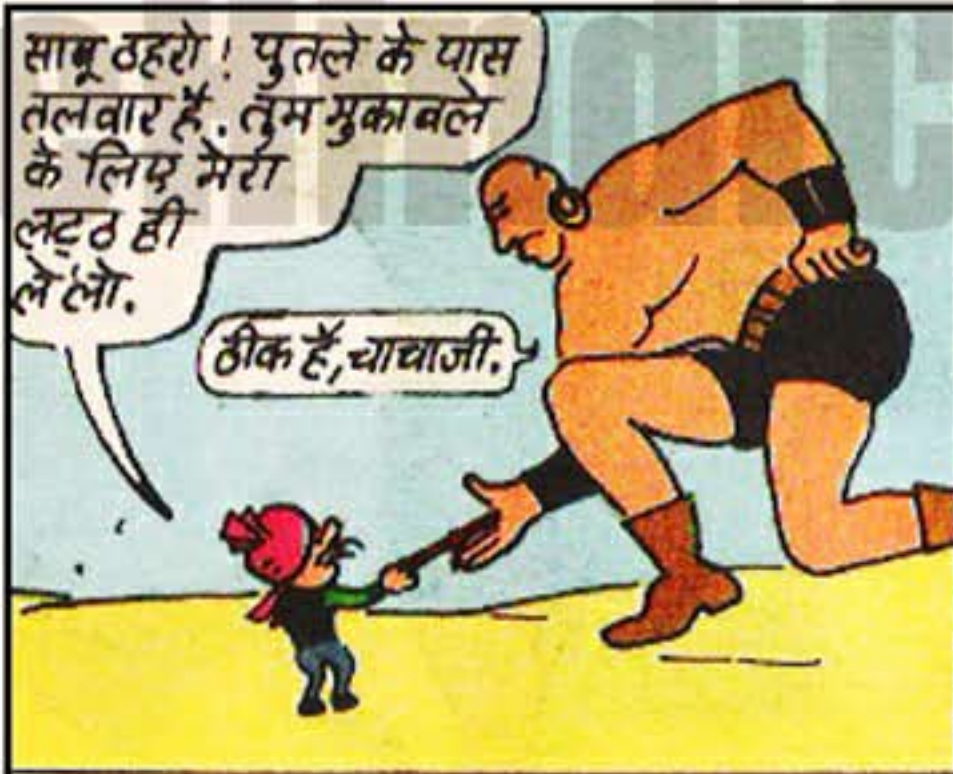
अरे, बड़े-बड़े तीसमारखां उसका बाल बांका नहीं कर सके. यह पुतला क्या कर लेगा ?

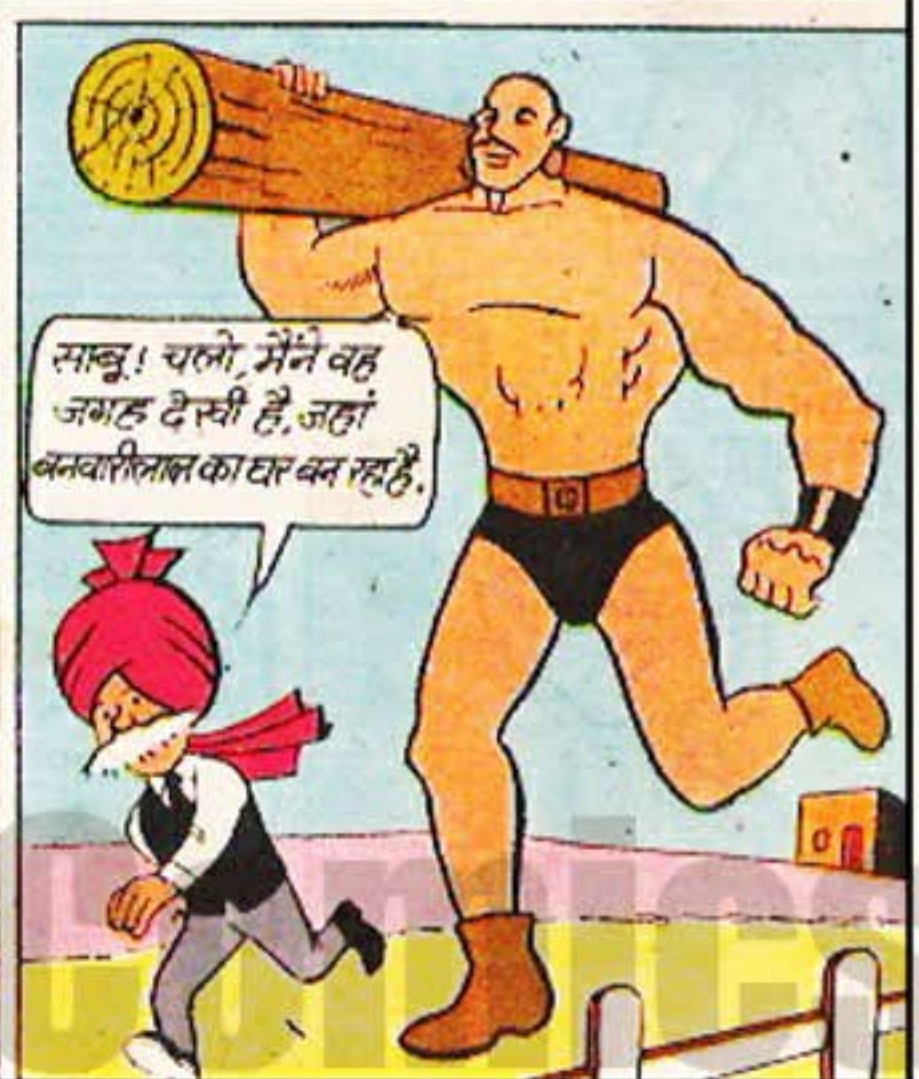
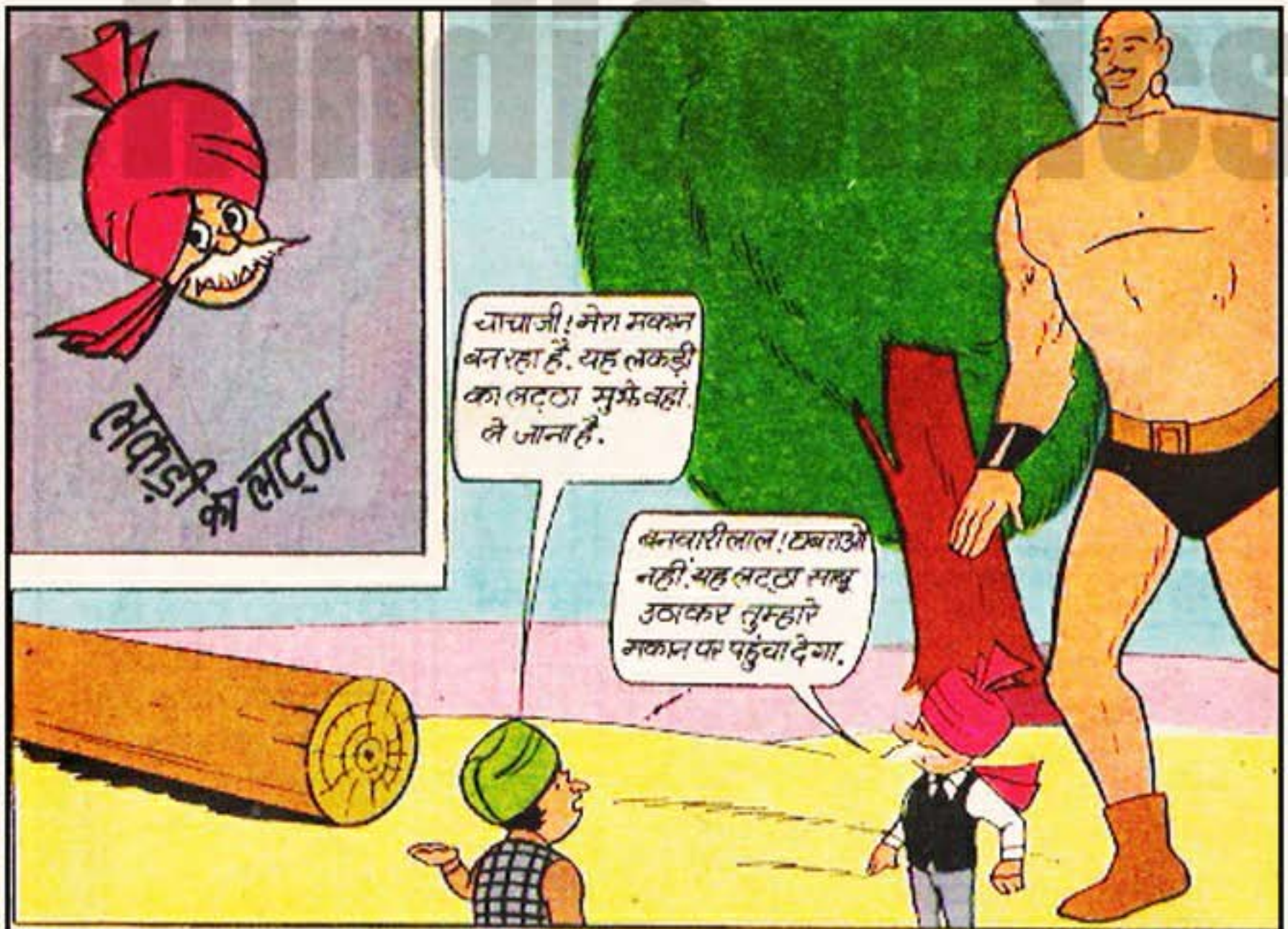
खटक, इसे मामूली पुतला न समझ. जरा इसे धुंकर लो देख !

खटक ज्योंही पुतले को धुंता हैं, उसे और का बिजली का करंट लगता हैं.

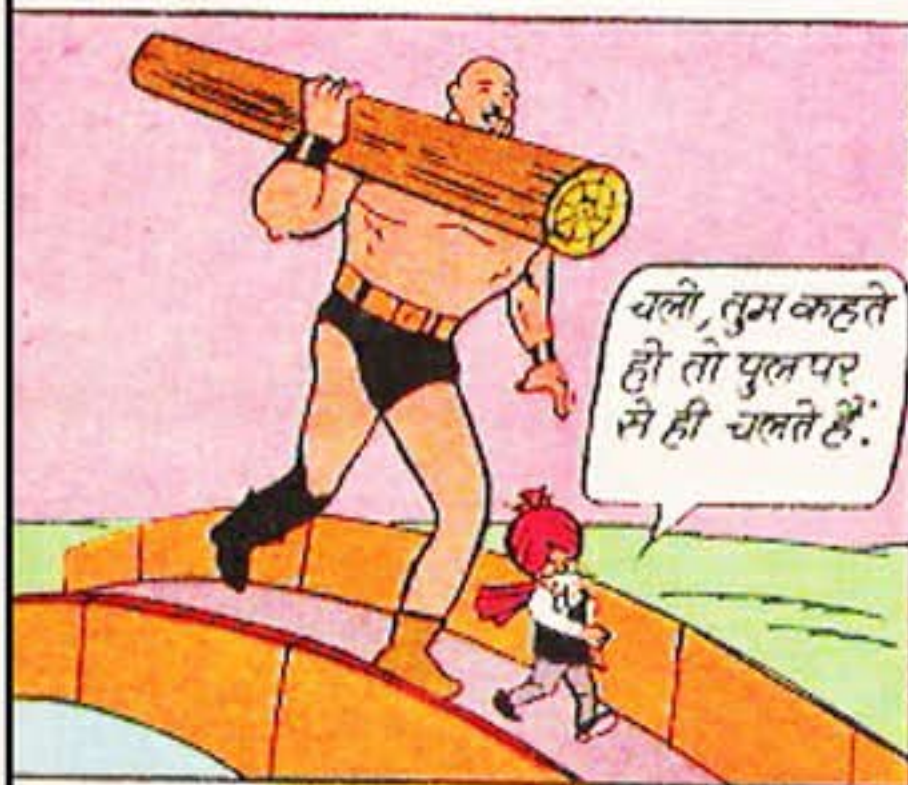
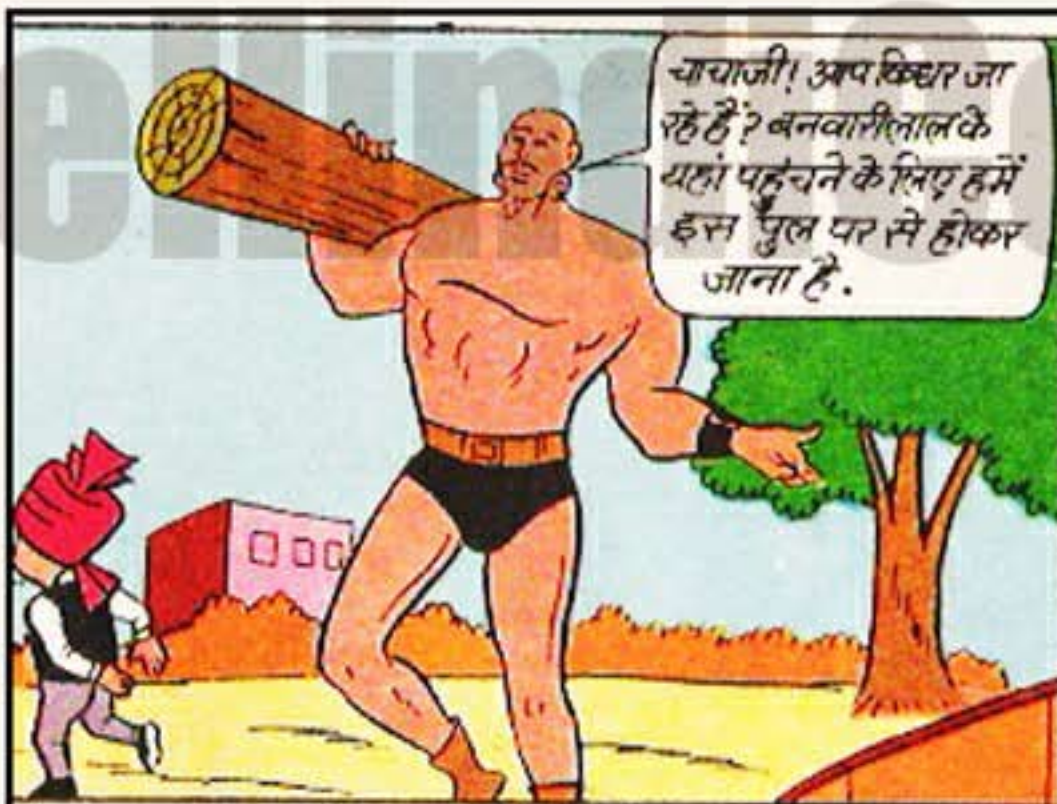
देखा पुतले का कमाल ! अगर मैं दौड़कर स्विच बंद न करता तो तुम मिट्टी का ढेर हो गए होते.

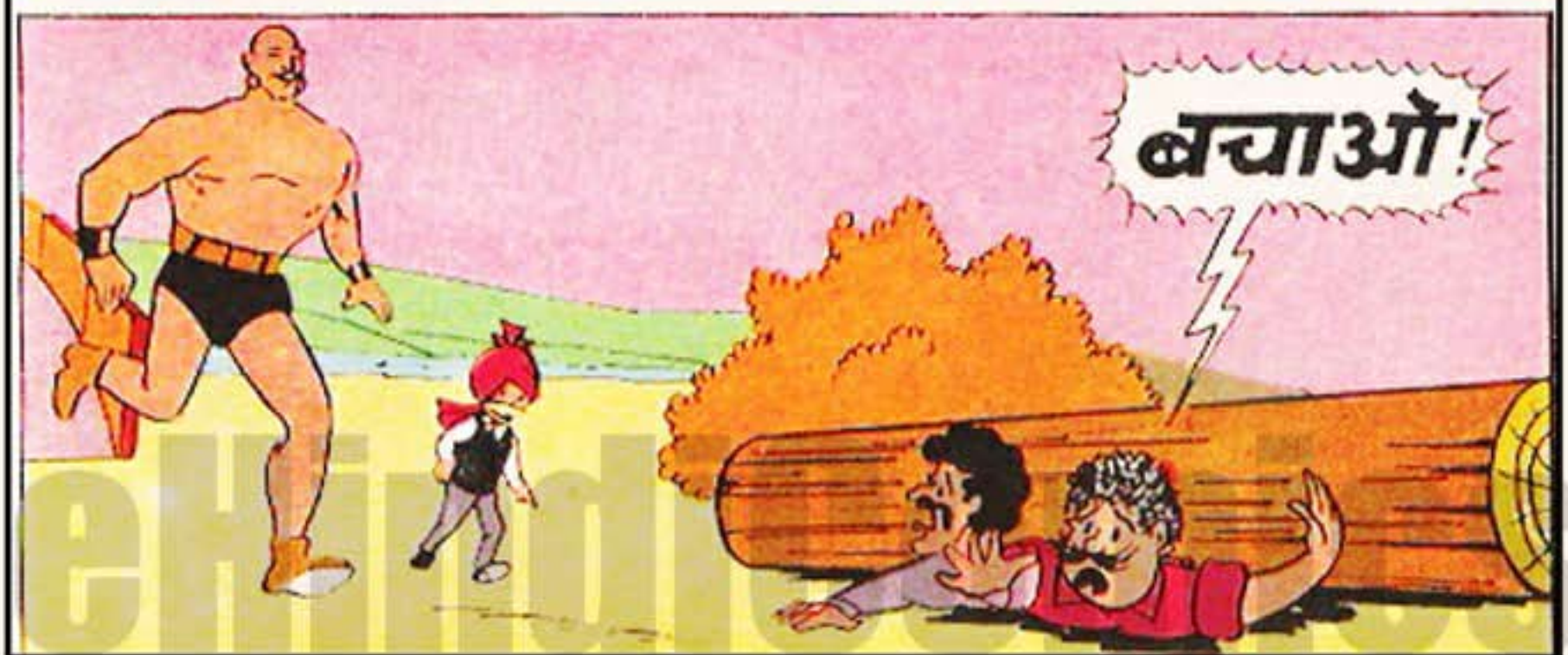
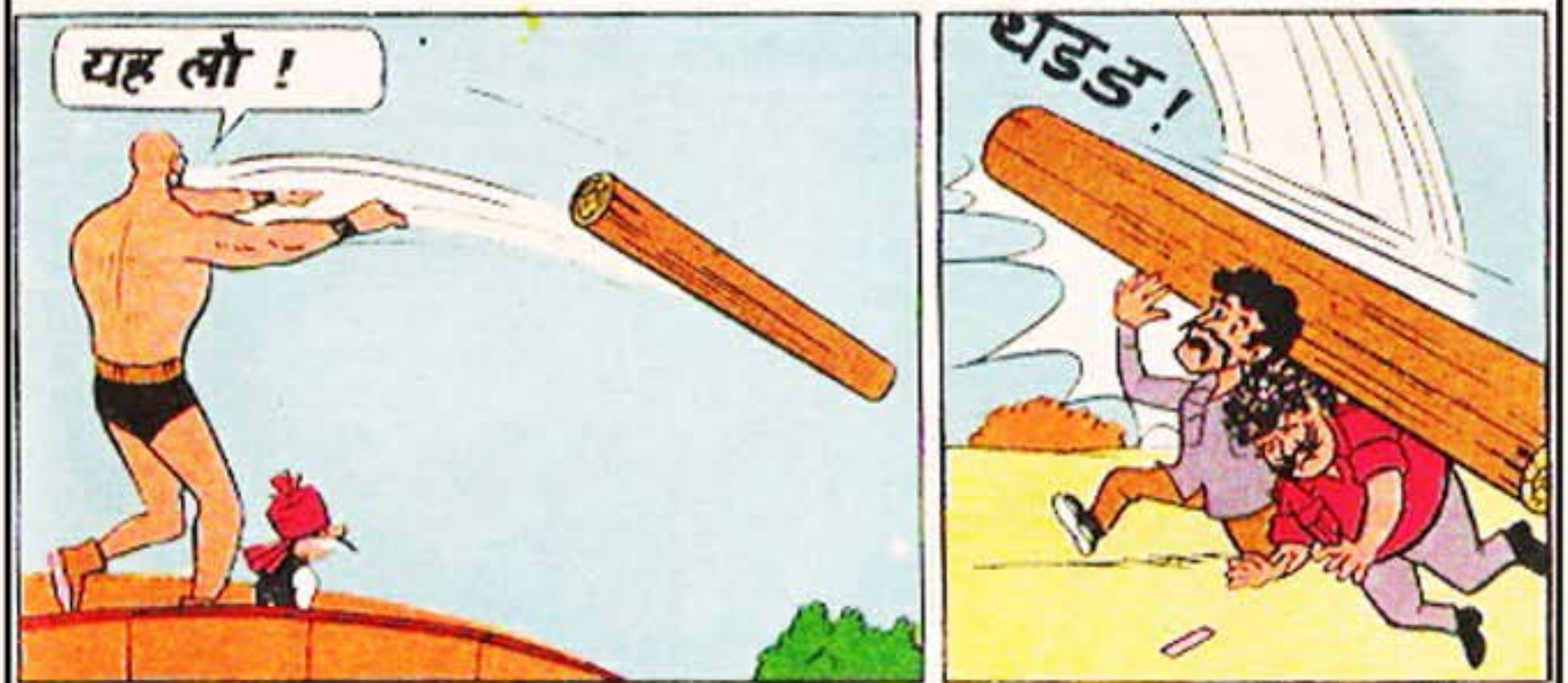




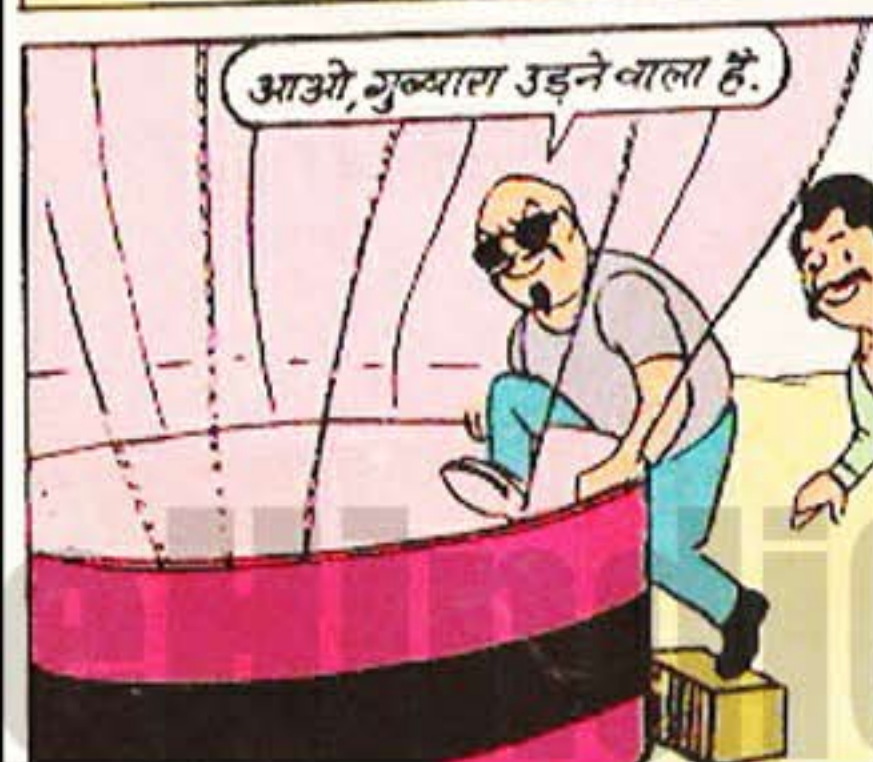
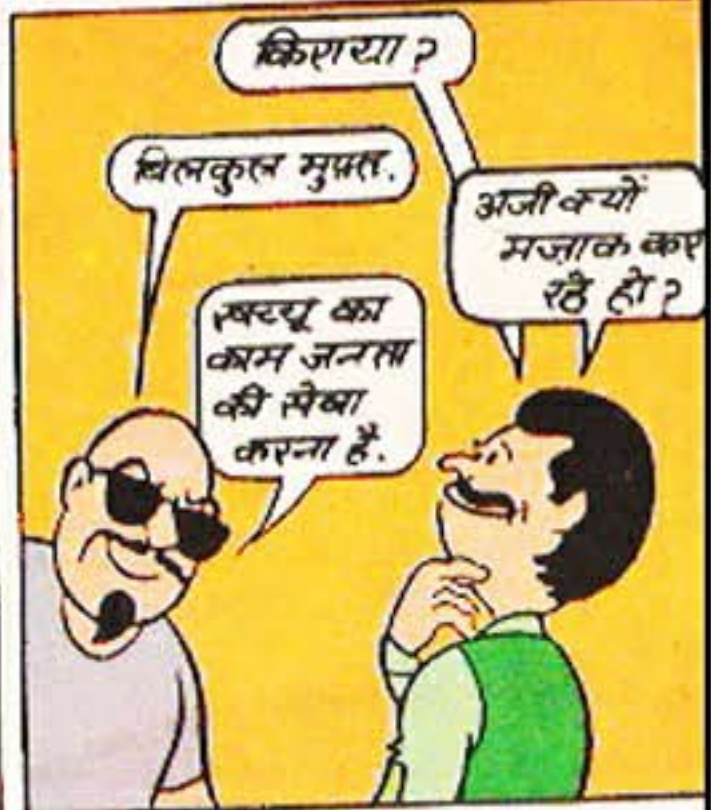


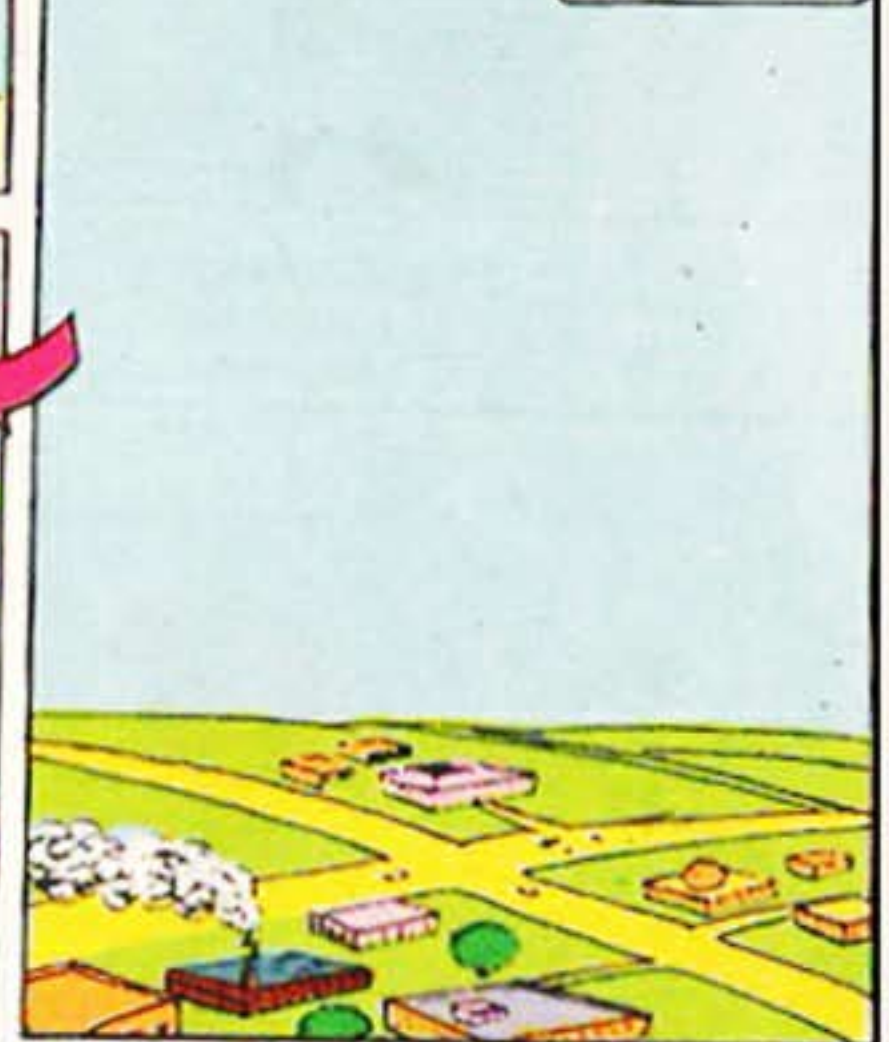
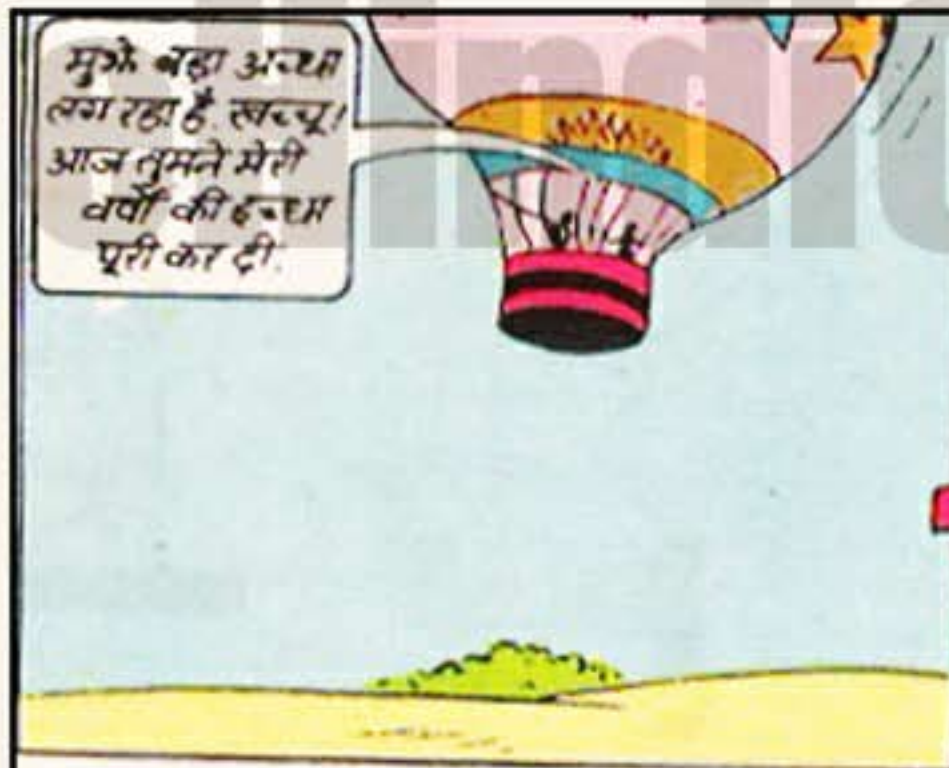


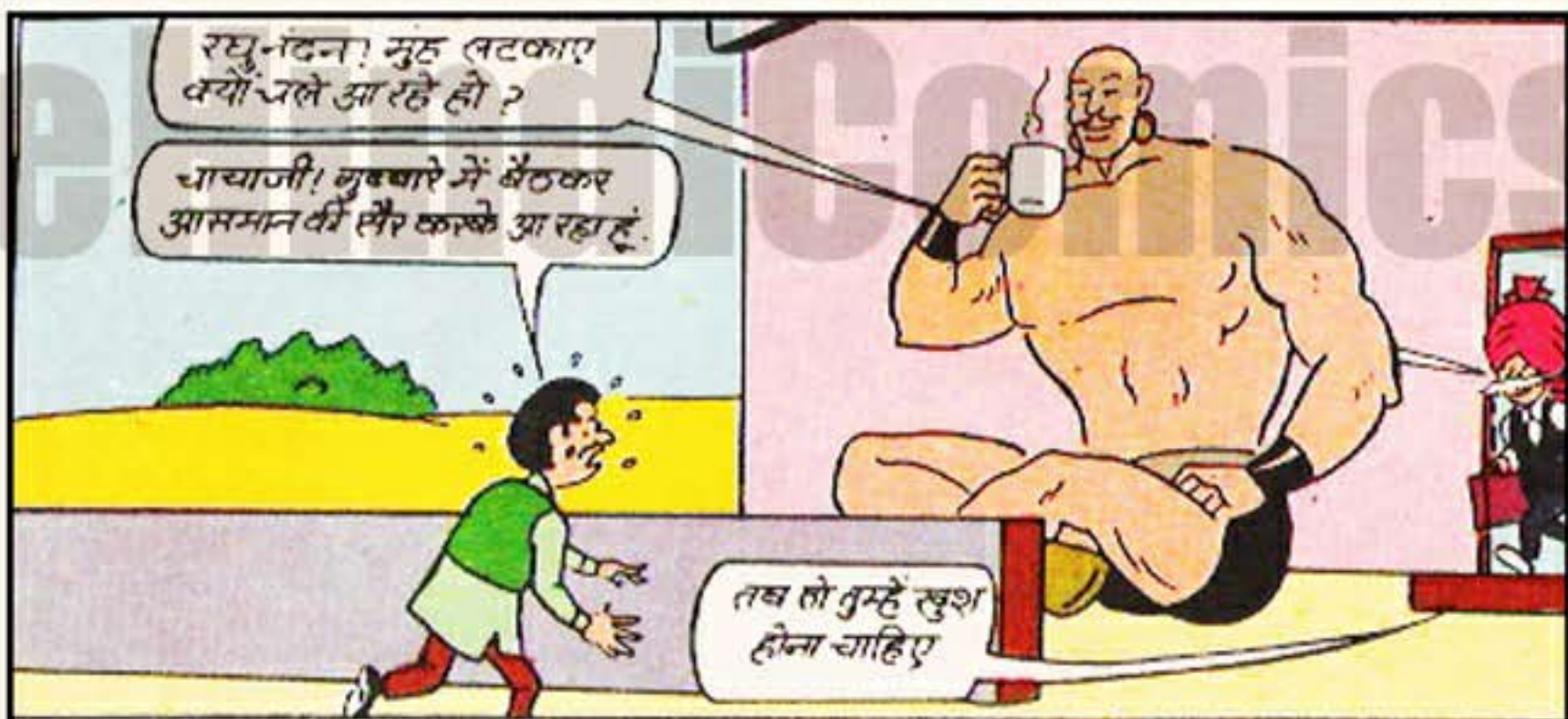


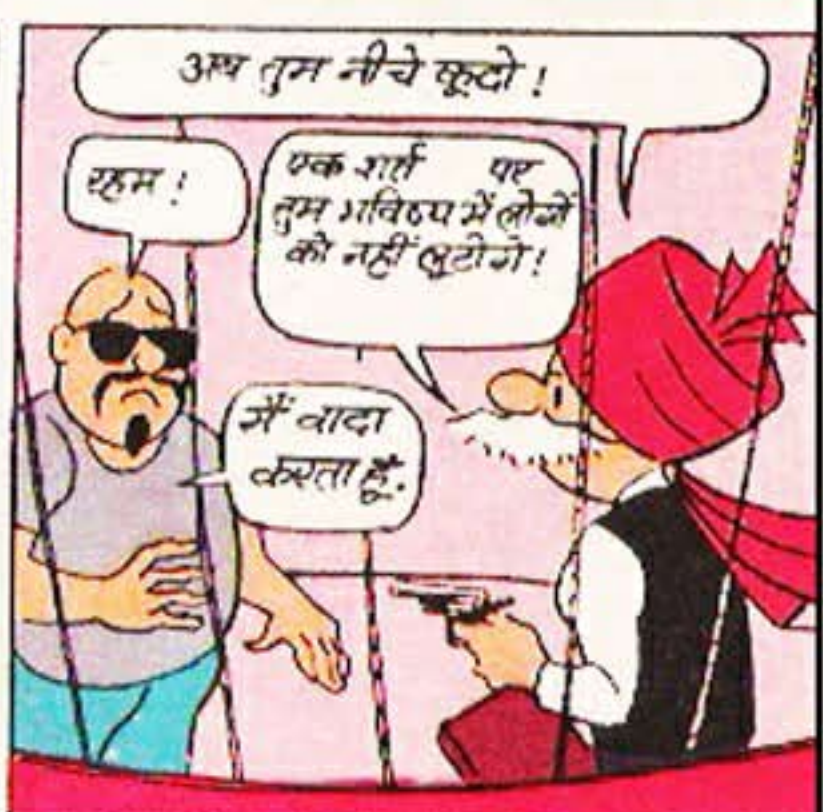
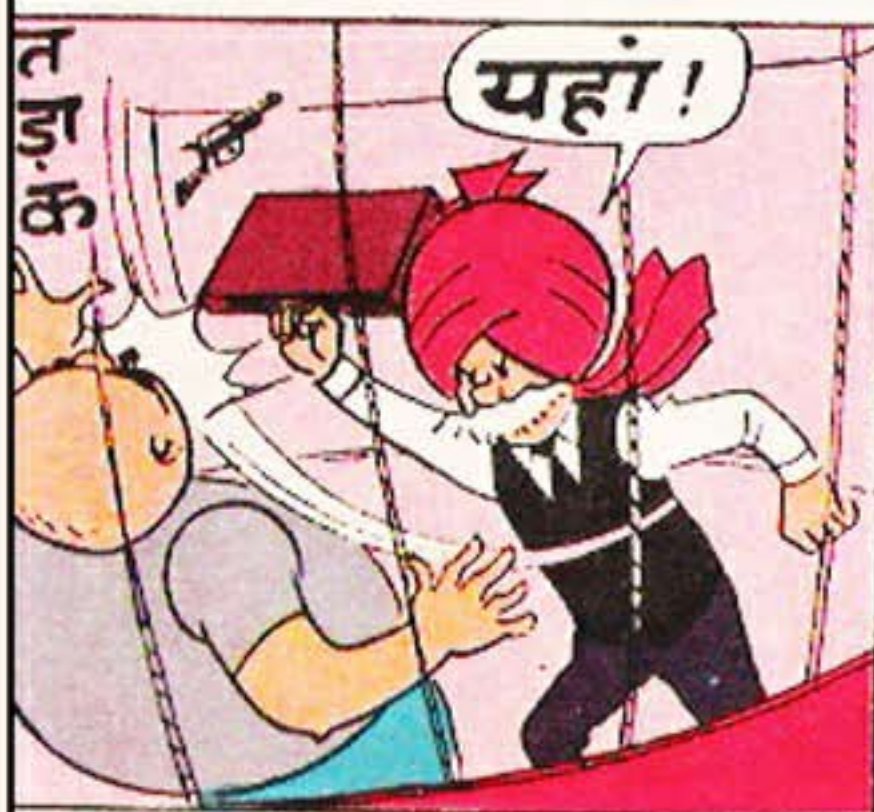


गुब्बारे की सैर





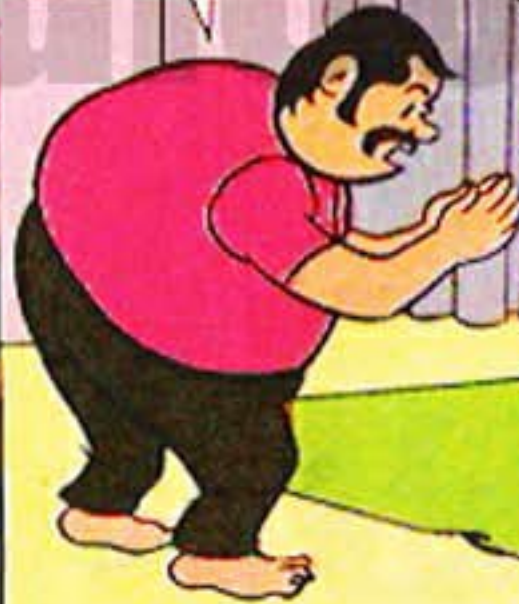






यह क्या
हो गया ?

जय गुरु गुरुदास
मेरी समस्या सुननाओ.



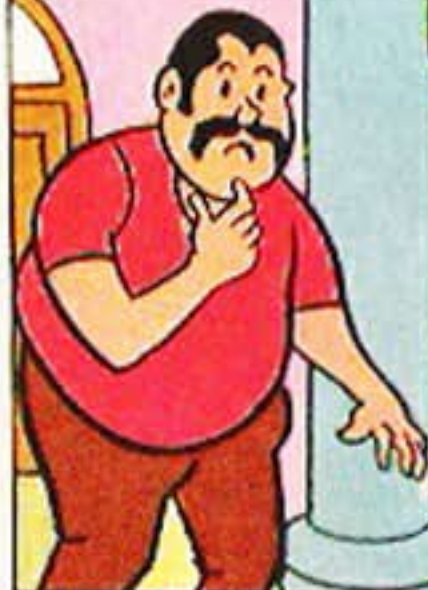
मुसीबत हो फटना या रुड़की में
गुरु समस्या सुननाए चुटकी में.



जब भी मैं चाचा चौधरी को
छुकाता चाहता हूं निराशा हाथ
लगती है. आमतौर पर समझा होते
ही मेरे पसीने छूटने लगते हैं.



तो बेटा रब रू! तुम चाचा चौधरी
के सामने जाते ही क्यों हो? पीछे से
जाकर डुलडा जमाओ.



मगर गुरु जी! उसमें भी
रब रू है. अगर चाचा
चौधरी ने फलट कर देरव
लिया तो? जो पीछे से वार
करता है उसे वह दोगुनी
जजा देता है.

तो फिर
निसी नकरे
को पठाओ.



वह पीछे से जाकर उसे लांछी
मारें. पकड़ा गया तो वह
मारने वाला पिटेगा. तुम दूर
रबड़े होकर तमाशा देखना.



वाह!
गुरु जी.

